Mumbai Terrorist Attacks 2008
India Ministry of External Affairs Dossier
January 2009

BACM RESEARCH

WWW.PAPERLESSARCHIVES.COM

Mumbai Terrorist Attacks 2008
India Ministry of External Affairs Dossier
January 2009

BACM RESEARCH

WWW.PAPERLESSARCHIVES.COM

मुंबई आतंकी हमलों से संबंधित दस्तावेज़

1. मुंबई आतंकी हमलों से संबंधित दस्तावेज़

पृष्ठों

1. 0
2. 2
3. 3
4. 4
5. 5
6. 6
7. 7
8. 8
9. 9
10. 10
11. 11
12. 12
13. 13
14. 14
15. 15
16. 16
17. 17
18. 18
19. 19
20. 20
21. 21
22. 22
23. 23
24. 24
25. 25

26. 26
27. 27
28. 28
29. 29
30. 30
31. 31
32. 32
33. 33
34. 34
35. 35
36. 36
37. 37
38. 38
39. 39
40. 40
41. 41
42. 42
43. 43
44. 44
45. 45
46. 46
47. 47
48. 48
49. 49
50. 50
51. 51
52. 52
53. 53
54. 54
55. 55
56. 56

57. 57
58. 58
59. 59
60. 60
61. 61
62. 62
63. 63
64. 64
65. 65
66. 66
67. 67
68. 68
69. 69
70. 70
71. 71
72. 72
73. 73
74. 74

मुंबई आतंकी हमलों से संबंधित दस्तावेज़

भारतीय विदेश मंत्रालय

यह पुस्तक इंटरनेट आर्काइव द्वारा EPUB प्रारूप में तैयार की गई है।
पुस्तक के पृष्ठों को स्कैन करके स्वचालित रूप से EPUB प्रारूप में परिवर्तित किया गया है। यह प्रक्रिया ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन (ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन) पर आधारित है और इसमें कुछ त्रुटियां हो सकती हैं। पुस्तक में पढ़ने का सही क्रम नहीं हो सकता है, और इसमें कुछ अटपटे अक्षर, शब्दहीन शब्द और संरचना का गलत अनुमान हो सकता है। स्कैन किए गए पृष्ठ से कुछ पृष्ठ संख्याएँ और शीर्षक/पादक रह सकते हैं। छवियों की पहचान करने वाली प्रक्रिया में पृष्ठ पर कुछ ऐसे निशान मिल सकते हैं जो वास्तव में पुस्तक की छवियां नहीं हैं। आपके ई-रीडर पर दिखाई देने वाली छिपी हुई पृष्ठ संख्या मुद्रित संस्करण में क्रमांकित पृष्ठों से मेल खाती है, लेकिन यह पूरी तरह से मेल नहीं खाती है; पृष्ठ संख्याएँ मुद्रित संस्करण के समान दर से बढ़ेंगी, लेकिन हो सकता है कि हमने मुद्रित पुस्तक की दिखाई देने वाली पृष्ठ संख्याओं से पहले ही क्रमांकन शुरू कर दिया हो। इंटरनेट आर्काइव स्कैनिंग प्रक्रिया और परिणामी पुस्तकों को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहा है, लेकिन इस बीच, हमें उम्मीद है कि यह पुस्तक आपके लिए उपयोगी होगी।
इंटरनेट आर्काइव की स्थापना 1996 में एक इंटरनेट लाइब्रेरी बनाने और सभी प्रकार के ज्ञान तक सार्वभौमिक पहुंच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। आर्काइव का उद्देश्य शोधकर्ताओं, इतिहासकारों, विद्वानों, दिव्यांगजनों और आम जनता को डिजिटल प्रारूप में मौजूद ऐतिहासिक संग्रहों तक स्थायी पहुंच प्रदान करना है। इंटरनेट आर्काइव में टेक्स्ट, ऑडियो, चलचित्र और सॉफ्टवेयर के साथ-साथ संग्रहित वेब पेज भी शामिल हैं, और यह दृष्टिबाधित और अन्य दिव्यांगजनों के लिए सूचना तक पहुंच हेतु विशेष सेवाएं प्रदान करता है।
abbyy2epub (v.1.7.6) के साथ बनाया गया

मुंबई आतंकवादी हमले 2008 - भारत - विदेश मंत्रालय का दस्तावेज़

जनवरी 2009 में भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा एफबीआई की सहायता से तैयार की गई अंग्रेजी भाषा की एक रिपोर्ट में हमलों का विवरण दिया गया है।

2008 के मुंबई हमले 26 नवंबर, 2008 को शुरू हुए और 29 नवंबर, 2008 तक चले दस से अधिक समन्वित गोलीबारी और बम हमलों की श्रृंखला थी, जिसमें कम से कम 173 लोग मारे गए और कम से कम 308 लोग घायल हुए।

इन हमलों में से आठ हमले दक्षिण मुंबई में हुए: छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, ओबेरॉय ट्राइडेंट, ताज महल पैलेस एंड टावर, लियोपोल्ड कैफे, कामा अस्पताल, नरीमन हाउस, मेट्रो सिनेमा और टाइम्स ऑफ इंडिया

बिल्डिंग और सेंट जेवियर्स कॉलेज के पीछे की एक गली में। इसके अलावा मुंबई के बंदरगाह क्षेत्र माज़गाँव में और विले पार्ले में एक टैक्सी में भी विस्फोट हुआ।

(26-29 नवंबर, 2008)

मुंबई पर आतंकवादी हमला (26-29 नवंबर, 2008)
भारत की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई 26 नवंबर, 2008 को एक जघन्य आतंकवादी हमले की चपेट में आ गई।
2. आतंकवादी हमले कई स्थानों पर हुए, विशेषकर सीएसटी रेलवे स्टेशन; लियोपोल्ड कैफे; ताज होटल; ओबेरॉय ट्राइडेंट होटल; और नरीमन हाउस पर। इन हमलों में 165 लोग (नागरिक और सुरक्षाकर्मी) शहीद हुए और 304 घायल हुए। मृतकों में विभिन्न राष्ट्रीयताओं के 26 विदेशी नागरिक भी शामिल थे (परिशिष्ट-I)।
3. मामले दर्ज कर लिए गए हैं और जांच का जिम्मा मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है।
4. जांच में पता चला है कि इन हमलों में दस आतंकवादी शामिल थे। नौ आतंकवादी ऑपरेशन में मारे गए; एक को जिंदा पकड़ा गया। उसका नाम मोहम्मद अजमल आमिर कसाब है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।
5. निम्नलिखित तथ्य पकड़े गए/गिरफ्तार किए गए आतंकवादी से पूछताछ और अब तक जुटाए गए अन्य साक्ष्यों के आधार पर संकलित किए गए हैं।
Mohammad Aimal Amir Kasab
6. वह मोहम्मद आमिर कसाब का पुत्र है, जो पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के ओकारा जिले के फरीदकोट गांव का निवासी है। उसने बताया है कि मारे गए नौ आतंकवादियों सहित कई अन्य लोगों के साथ, उसे मुरीदके, मनशेरा और मुजफ्फरबाद में स्थित लश्कर-ए-तैबा के प्रशिक्षण शिविरों में प्रशिक्षित किया गया था।
7. प्रारंभ में, समूह में 32 व्यक्ति थे। उन्हें आग्नेयास्त्र, गोला-बारूद, ग्रेनेड और विस्फोटक पदार्थ दिए गए थे। बाद में,

1 for carrying
operations in

उन्हें कलाश्निकोव राइफल और 9 मिमी पिस्तौल चलाना और विस्फोटक उपकरण बनाना सिखाया गया। उन्हें पूछताछ का सामना करने और दर्द सहन करने की तकनीक का प्रशिक्षण भी दिया गया; उन्हें आत्मघाती हमलावर बनने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

8. अंततः, समूह में से 13 व्यक्तियों को भारत में हमलों के लिए चुना गया। इन 13 में से छह को कश्मीर भेजा गया। समूह में तीन नए सदस्य शामिल किए गए, जिससे सदस्यों की संख्या 10 हो गई। नए सदस्यों में से एक इस्माइल खान था, जो अंततः समूह का नेता बन गया। 10 सदस्यीय समूह को सितंबर 2008 के मध्य में मुंबई ऑपरेशन के बारे में बताया गया। इस समय, समूह के 10 सदस्यों को कराची के पास एक घर में अलग-थलग रखा गया और समूह और अन्य लोगों के बीच सभी संपर्क काट दिए गए।

9. इस समूह पर ज़की-उर-रहमान लखवी, अबू हमज़ा यूसुफ उर्फ मुज़म्मिल और कहफा द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही थी, ये सभी लश्कर-ए-तैबा के वरिष्ठ पदाधिकारी थे। पहले तीन लोगों के बारे में कई देशों की खुफिया एजेंसियों को जानकारी है।

10. मोहम्मद अजमल अमीर कसाब ने उन नौ अन्य आतंकवादियों के नाम और पहचान का खुलासा किया है जो अभियानों में मारे गए थे।

जे (i) इस्माइल खान (25 वर्ष) निवासी डेरा इस्माइल खान, एनडब्ल्यूएफपी, पाकिस्तान

-5 (ii) बाबर इमरान उर्फ अबू अकाशा (25 वर्ष) निवासी मुल्तान, पाकिस्तान

2 (Hi) Naser @ Abu Umar (23 yrs) r/o Faisalabad, Pakistan

(iv) Shoaib @ Abu Saheb (21 yrs) r/o Shakkargarh Naroval, Sialkoat, Pakistan.

(v) नजीर उर्फ अबू उमर (28 वर्ष) निवासी फैसलाबाद, पाकिस्तान

(vi) हाफ़िज़ अरशद @ अबू अब्दर रहमान (बादा - 23 वर्ष) निवासी

(vii) जावेद @ अबू एएम (22 वर्ष) निवासी ओकारा, पाकिस्तान

3

मुल्तान, पाकिस्तान

"जे

"5

"5 "3

2

Cviii) अब्दुर रहमान @ अबु अब्दर रहमान (छोटा - 21 वर्ष) निवासी

आरिफवाला, मुल्तान रोड, पाकिस्तान, (ix) फहदुल्ला (23 वर्ष) निवासी उजराशाह मुकीम, रासूर रोड, ओकारा,
Punjab, Pakistan.
11. पूछताछ और तलाशी के आधार पर, जांचकर्ताओं ने निम्नलिखित भौतिक वस्तुएं बरामद की हैं:
(i) एम.वी. कुबेर, एक मछली पकड़ने वाला ट्रॉलर
(ii) जीपीएस उपकरण
(iii) एक सैटेलाइट फोन
(iv) आउटबोर्ड मोटर से लैस ग्यारह सीटों वाली इन्फ्लेटेबल डिंघी
(v) अनेक वस्तुएँ (परिशिष्ट-II में तस्वीरों सहित सूची)
12. एम.वी. कुबेर एक मछली पकड़ने वाली नाव है जो भारत के गुजरात राज्य के पोरबंदर के विनोद भाई मसानी की है। जैसा कि नीचे दिए गए विवरण से पता चलेगा, इसे आतंकवादी समूह द्वारा अगवा कर लिया गया था।
13. जीपीएस उपकरण और सैटेलाइट फोन आतंकवादियों को उनके आकाओं द्वारा उपलब्ध कराए गए थे। जीपीएस उपकरणों की एक तस्वीर और जीपीएस डेटा का विश्लेषण परिशिष्ट-III में दिया गया है।
14. सैटेलाइट फोन से कई ऐसे टेलीफोन नंबर मिले हैं जो आतंकवादियों को पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैबा के शीर्ष पदाधिकारियों से जोड़ते हैं। सैटेलाइट फोन की तस्वीर और उससे प्राप्त टेलीफोन नंबर अनुलग्नक-IV में दिए गए हैं। इनमें से एक नंबर थुरैया सैटेलाइट फोन का है और यह (+88 216) 44 44 7049 है। यह नंबर लश्कर-ए-तैबा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी अबू अल क़मा का है।
3

-5 -9
3 एफ
15. मुंबई के बडवार पार्क के पास तट से ग्यारह सीटों वाली एक inflatable नाव बरामद की गई। इसमें यामाहा मोटर कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित एक आउटबोर्ड मोटर लगी हुई थी। आतंकवादियों ने इंजन नंबर मिटाने का प्रयास किया था, लेकिन जांचकर्ताओं ने उसे पुनः प्राप्त कर लिया है। आउटबोर्ड मोटर का नंबर 67 CL-1020015 है, जिसे जापान की यामाहा मोटर कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित किया गया था और पाकिस्तान में आयात किया गया था। इसका वितरण लाहौर के डेविस रोड के पास स्थित हबीबुल्लाह रोड नंबर 24 पर स्थित "बिजनेस एंड इंजीनियरिंग ट्रेंड्स" नामक कंपनी द्वारा किया गया था। कंपनी का टेलीफोन नंबर +92 42 63 11044 है।
16. बरामद की गई वस्तुओं में शौच सामग्री, चिकित्सा किट, खाद्य सामग्री, डीजल से भरे ड्रम, कपड़े आदि शामिल हैं और इन पर पाकिस्तान में निर्मित होने के स्पष्ट प्रमाण हैं (कृपया अनुलग्नक-II देखें)।

क्या यह आतंकवादी है? मुंबई के लिए
17. आतंकवादी 22 नवंबर, 2008 को लगभग 8 बजे कराची से एक छोटी नाव में रवाना हुए। लगभग 40 मिनट की यात्रा के बाद, उन्हें एक बड़ी नाव, 'अल-हुसैनी' में स्थानांतरित कर दिया गया, जो कि पकड़े गए आतंकवादी के अनुसार, लश्कर-ए-तैबा के प्रमुख कमांडर ज़की-उर-रहमान लखवी की थी। नाव में पहले से ही लश्कर-ए-तैबा के सात सदस्य सवार थे। आतंकवादियों ने पूरा दिन अल-हुसैनी पर बिताया। 23 नवंबर, 2008 को लगभग 3 बजे, पकड़े गए आतंकवादी ने अल-हुसैनी के बगल में खड़ी एक और नाव देखी। यह भारतीय पंजीकृत मछली पकड़ने वाली नाव थी जिसका नाम 'कुबेर' था और इसमें पांच चालक दल के सदस्य थे। 'कुबेर' के चार चालक दल के सदस्यों को अल-हुसैनी में स्थानांतरित कर दिया गया। इन चारों चालक दल के सदस्यों को बाद में लश्कर-ए-तैबा के सदस्यों ने मार डाला। जे ट्रॉलर के कप्तान (अमर सिंह सोलंकी) को एमवी जहाज पर ही रहने की अनुमति दी गई।
कुबेर ने ही एमवी कुबेर नामक जहाज को लगभग 550 समुद्री मील की दूरी तय करके मुंबई तक पहुंचाया था।
4

18. दस आतंकवादियों को उनके व्यक्तिगत बैग दिए गए, जिनमें कलाश्निकोव, गोला-बारूद, 9 मिमी पिस्तौल, हैंड ग्रेनेड, सूखे मेवे आदि थे। उन्हें एक-एक बैग भी सौंपा गया, जिसमें एक आईईडी था।
19. दस आतंकवादियों ने एमवी कुबेर पर निगरानी का काम किया। उनके द्वारा रखी गई लॉग शीट जब्त कर ली गई हैं (अनुलग्नक-V)। एमवी कुबेर 26 नवंबर, 2008 को शाम 4 बजे मुंबई से चार समुद्री मील दूर एक बिंदु पर पहुंची। अंधेरा होते ही, टीम लीडर इस्माइल खान ने पाकिस्तान में अपने हैंडलर से संपर्क किया, जिसने उन्हें एमवी कुबेर के कप्तान अमर सिंह सोलंकी की हत्या करने का निर्देश दिया। सोलंकी की हत्या करने के बाद, आतंकवादी अपने हथियारों और आईईडी के साथ एक छोटी नाव में सवार हो गए। उन्होंने मुंबई तक के अंतिम चार समुद्री मील की दूरी लगभग एक घंटे 15 मिनट में तय की और लगभग 8:30 बजे दक्षिण मुंबई के बडवार पार्क (कफ परेड) इलाके में पहुंचे।
20. उतरने के बाद, दस आतंकवादी पूर्व निर्धारित जोड़ियों के अनुसार पाँच टीमों में बँट गए। मोहम्मद अजमल आमिर कसाब को समूह के नेता इस्माइल खान के साथ जोड़ा गया। वे अलग-अलग लक्ष्यों की ओर जाने के लिए टैक्सियों में सवार हुए। दो टैक्सियों में गुप्त बम (आईईडी) लगाए गए थे, जो बाद में फट गए - एक वादी बंदर में और दूसरा विले पार्ले में - जिससे दोनों टैक्सी चालकों की मौत हो गई।
लक्ष्य: सीएसटी रेलवे स्टेशन
21. सीएसटी रेलवे स्टेशन सेंट्रल रेलवे का मुख्यालय है। प्रतिदिन 35 लाख से अधिक यात्री इस स्टेशन से होकर गुजरते हैं। लगभग रात 9:20 बजे, दो आतंकवादी (मोहम्मद अजमल आमिर कसाब और इस्माइल

खान) स्टेशन में घुस आए और अपनी कलाश्निकोव राइफलों से अंधाधुंध फायरिंग करने लगे तथा ग्रेनेड भी फेंके। इस नरसंहार में 58 लोग मारे गए और 104 घायल हुए।
5

22. थाने में मौजूद कुछ पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका। वे थाने से निकलकर एक पुल पार करके कामा अस्पताल की ओर जाने वाली एक गली में भाग गए। कामा अस्पताल के पास ही पुलिस की एक टीम ने उन्हें रोका और गोलीबारी हुई। गली से निकलते ही उन्होंने तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और चार पुलिसकर्मियों को ले जा रहे एक पुलिस वाहन पर गोली चलाई। यह मानते हुए कि सभी लोग मारे गए हैं, उन्होंने गाड़ी रोक दी।
हालांकि, इस हमले में केवल छह लोग मारे गए और एक पुलिसकर्मी बच गया। वह कांस्टेबल अरुण जाधव हैं और घटनाक्रम के प्रत्यक्षदर्शी हैं। कुछ दूरी तय करने के बाद, आतंकवादियों ने पुलिस वाहन को छोड़ दिया और एक अन्य यात्री कार को अगवा कर लिया। वह कार पुलिस की एक टुकड़ी के सामने आ गई।
पुलिस की कार्रवाई में इस्माइल खान मारा गया और मोहम्मद अजमल अमीर कसाब को पकड़ लिया गया। मोहम्मद अजमल अमीर कसाब को काबू करने की कोशिश में सहायक सब-इंस्पेक्टर तुकाराम ओम्बले शहीद हो गए। दो पुलिस अधिकारी घायल हो गए।
23. पुलिस ने दोनों आतंकवादियों से दो कलाश्निकोव राइफलें, आठ मैगज़ीन, दो पिस्तौल, गोला-बारूद, खाली खोखे और पांच हथगोले बरामद किए।
दूसरा लक्ष्य: लियोपोल्ड कैफे और बार
24. 1871 में स्थापित लियोपोल्ड कैफे और बार एक लोकप्रिय अड्डा है, जहाँ विदेशी और भारतीय दोनों ही आते-जाते रहते हैं। लगभग रात 9:40 बजे, दो आतंकवादी (हाफ़िज़ अरशद उर्फ अब्दुल रहमान बदा और नासिर उर्फ अबू उमर) कैफे में घुस गए और एके-47 असॉल्ट राइफलों से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। एक ग्रेनेड फेंका गया और वह फट गया। इस घटना में दस लोग मारे गए और कई घायल हो गए। लगभग पाँच मिनट बाद, दोनों आतंकवादी कैफे से लगभग आधा किलोमीटर दूर स्थित ताज महल होटल की ओर भाग गए।

25. पुलिस ने बाद में हमले के घटनास्थल से पांच एके-47 मैगज़ीन (जिनमें से तीन खाली थीं और दो में 13 गोलियां थीं), गोला-बारूद के खाली केस, एक एके-47 राइफल का एक बट और दो मोबाइल फोन बरामद किए।
तीसरा लक्ष्य: तात महल होटल
26. ताज महल होटल, जिसका निर्माण 1903 में हुआ था, एक विरासत इमारत और मुंबई का एक प्रतिष्ठित प्रतीक है। इसके दो भाग हैं, विरासत भाग में 290 कमरे और ताज टावर्स में 275 कमरे हैं।

27. चार आतंकवादियों (शोएब और जावेद तथा लियोपोल्ड कैफे एंड बार पर हमला करने वाले दो आतंकवादी, हाफिज अरशद और नासिर) ने ताज महल होटल को निशाना बनाया। पहले दो आतंकवादी रात 9:38 बजे मुख्य लॉबी में दाखिल हुए और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें पहले कुछ ही मिनटों में 20 लोग मारे गए। दूसरे दो आतंकवादी रात 9:43 बजे नॉर्थ कोर्ट के प्रवेश द्वार से होटल में दाखिल हुए और अंधाधुंध फायरिंग करते हुए ग्रेनेड फेंके। चारों आतंकवादी हेरिटेज विंग की छठी मंजिल तक गए और रास्ते में आने वाले हर व्यक्ति को मार डाला। उन्होंने होटल के एक हिस्से में आग लगा दी। हेरिटेज विंग की पहली, पांचवीं और छठी मंजिल बुरी तरह जल गईं। इनमें से कुछ घटनाएँ होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई हैं।
28. स्थानीय पुलिस स्टेशन से आठ पुलिसकर्मी होटल पहुंचे और इलाके को घेर लिया। इसके बाद भारतीय नौसेना के कमांडो होटल पहुंचे। अगली सुबह राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड दिल्ली से आए और उन्होंने अभियान की कमान संभाली।
29. बंधक बनाने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई क्योंकि कई मेहमानों ने खुद को अपने कमरों में बंद कर लिया था और कई होटल के अलग-अलग हिस्सों में फंसे हुए थे। यह अभियान 29 नवंबर, 2008 की सुबह तक जारी रहा। लगभग 450 मेहमानों को बचाया गया। आतंकवादियों ने होटल के मेहमानों और कर्मचारियों सहित 32 लोगों को मार डाला। एनएसजी का एक मेजर भी शहीद हो गया।

एक और कमांडो घायल हो गया। अभियान के अंत में, चारों आतंकवादी मारे गए।
30. पुलिस ने चार कलाश्निकोव असॉल्ट राइफलें, आठ मैगज़ीन, तीन पिस्तौल और मैगज़ीन, कई बिना फटे ग्रेनेड, जिंदा और खाली कारतूस, मोबाइल फोन और एक जीपीएस उपकरण बरामद किए।
31. इस पूरी अवधि के दौरान, आतंकवादी पाकिस्तान में अपने नियंत्रकों के साथ टेलीफोन के माध्यम से संपर्क में थे। उन्हें लगातार निर्देश मिल रहे थे और यह स्पष्ट था कि नियंत्रक भारतीय टेलीविजन चैनलों पर नज़र रख रहे थे। नियंत्रक चाहते थे कि आतंकवादी होटल में मौजूद कुछ वज़ीरों (अर्थात मंत्रियों) को बंधक बना लें।
चौथा लक्ष्य: ओबेरॉय-ट्राइडेंट होटल
32. होटल के दो भाग हैं, एक का नाम ओबेरॉय और दूसरे का नाम ट्राइडेंट है। दोनों भागों में मिलाकर 877 कमरे हैं।
33. लगभग रात 10 बजे, दो आतंकवादी (अब्दुल रहमान छोटा और फहदुल्लाह) ट्राइडेंट होटल के मुख्य द्वार से अंदर घुस गए और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। वे ओबेरॉय होटल में घुस गए और एक रेस्तरां पर गोलियों की बौछार कर दी। दो विस्फोटित बमों में विस्फोट हुआ। आतंकवादी ओबेरॉय की ऊपरी मंजिलों पर चले गए और रास्ते में आने वाले मेहमानों और कर्मचारियों को मार डाला। अंत में, वे 16वीं और 18वीं मंजिल पर छिप गए, जहाँ उन्होंने कई मेहमानों को बंधक बना लिया।

34. एनएसजी कमांडो ने 27 नवंबर, 2008 की सुबह ऑपरेशन की कमान संभाली। ऑपरेशन 42 घंटे बाद 28 नवंबर, 2008 की दोपहर को समाप्त हुआ। दोनों आतंकवादी मारे गए।
35. ओबेरॉय-ट्राइडेंट पर हमले में 33 लोग मारे गए।
8

36. पुलिस ने दो कलाश्निकोव राइफल, छह मैगज़ीन जिनमें से दो भरी हुई थीं, कई खाली कारतूस और हैंड ग्रेनेड क्लिप बरामद किए।
पांचवां लक्ष्य: नरिमन हाउस
37. नरिमन हाउस एक पांच मंजिला इमारत है, जिसे दो साल पहले चाबाद लिबरेशन मूवमेंट ऑफ हसीदिक ज्यूज नामक एक रूढ़िवादी यहूदी संगठन ने खरीदा था। इसका नाम बदलकर चाबाद हाउस कर दिया गया। एक रब्बी और उनका परिवार इस इमारत में रहते थे और आम तौर पर आने वाले यहूदियों को ठहराते थे।
38. लगभग 22:25 बजे, दो आतंकवादियों (बाबर इमरान और नाज़िर) ने चाबाद हाउस के बाहर गोलीबारी शुरू कर दी और इमारत में प्रवेश कर गए। कई लोगों को बंधक बना लिया गया।
39. 26 नवंबर, 2008 की रात और अगले दिन तक आतंकवादियों और पुलिस के बीच गोलीबारी होती रही। एक शक्तिशाली विस्फोट से नरिमन हाउस की पिछली दीवार उड़ गई। बचाव अभियान के दौरान, पुलिस ने चाबाद हाउस से 14 लोगों को बचाया। रब्बी की नौकरानी भी रब्बी के दो वर्षीय बेटे को लेकर भाग निकली।
40. एनएसजी ने हेलीकॉप्टरों की मदद से चाबाद हाउस की छत पर कमांडो उतारे। अंततः, दोनों आतंकवादी मारे गए। एक एनएसजी कमांडो शहीद हो गया और दो घायल हो गए। पांच बंधकों के शव मिले।
41. पूरे अभियान के दौरान, आतंकवादियों को उनके नियंत्रकों से टेलीफोन पर निर्देश मिलते रहे। नियंत्रकों ने आतंकवादियों को हेलीकॉप्टरों के इस्तेमाल और छत पर कमांडो के उतरने के बारे में चेतावनी दी।

42. पुलिस ने दो कलाश्निकोव राइफलें, चार मैगज़ीन, तीन पिस्तौल, लगभग 250 जिंदा कारतूस, चार मोबाइल फोन और एक बरामद किया।
अब तक जुटाए गए साक्ष्य
43. कलाश्निकोव राइफलों, पिस्तौलों, गोला-बारूद, ग्रेनेडों, मोबाइल हथियारों आदि का उल्लेख किया गया है।
e telephones, GPS sets etc recovered from
of the crimes.

by the same
ED weighed

44. आतंकवादियों को दस आईईडी उपकरण दिए गए थे। सात में विस्फोट हो गया था और तीन को बरामद कर बाद में निष्क्रिय कर दिया गया। तीनों उपकरण एक जैसे हैं और स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि इन्हें किसी एक व्यक्ति या एक ही टीम ने एक ही समय में बनाया था। प्रत्येक आईईडी का वजन लगभग 8 किलोग्राम था और प्रत्येक में 4-5 किलोग्राम कसकर पैक किया हुआ काला चिकना आरडीएक्स भरा हुआ था। प्रत्येक में काले रंग का प्रोग्रामेबल इलेक्ट्रॉनिक टाइमर स्विच लगा था जिसमें 1 से 5 तक क्रमांकित पांच तार थे। सभी उपकरणों में तार क्रमांक 1 और 4 जुड़े हुए पाए गए जबकि तार क्रमांक 2, 3 और 5 जुड़े हुए नहीं थे। प्रत्येक उपकरण में दो डेटोनेटर और 4 से 6 मिमी व्यास के स्टील बॉल बियरिंग लगे हुए थे, जो चार्ज के चारों ओर जड़े हुए थे। विद्युत स्रोत के रूप में ड्यूरासिल कंपनी की दो 9 वोल्ट की बैटरी का उपयोग किया गया था। टाइमर पर समय निर्धारित करने के निर्देश उर्दू भाषा में लिखे हुए थे।
45. अपराध स्थलों से बरामद 9 मिमी पिस्तौल पर "डायमंड नेदी फ्रंटियर आर्म्स कंपनी" का निशान अंकित था।
Peshawar". (Peshawar is in Pakistan).

46. विस्फोटित और अविघटित पाए गए हथगोले ऑस्ट्रियाई कंपनी अर्जेस द्वारा निर्मित थे। जांच में पता चला है कि अर्जेस कंपनी ने रावलपिंडी के पास स्थित एक पाकिस्तानी आयुध कारखाने को हथगोले बनाने की फ्रेंचाइजी दी थी। इसी तरह के हथगोले मार्च में मुंबई को हिला देने वाले सिलसिलेवार बम विस्फोटों में इस्तेमाल किए गए थे।
10

12 दिसंबर, 1993 और 13 दिसंबर, 2001 को संसद भवन पर हुए हमले में। (पिस्तौल/ग्रेनेड की तस्वीरें अनुलग्नक-Vl में हैं)
47. मछली पकड़ने वाली नाव एम.वी. कुबेर को बरामद कर लिया गया है। इसमें कप्तान अमर सिंह सोलंकी का शव मिला है।
48. मछली पकड़ने के दौरान सैटेलाइट फोन द्वारा कई टेलीफोनों से संपर्क स्थापित किया गया। इनमें से कुछ के संबंध LeT से हैं (कृपया अनुलग्नक-IV देखें)।
ishing trawler was used to
telephone numbers have

49. एक जीपीएस सेट

49. A **GPS Set** was recovered from the
from the set reveals that the route was set

कराची से मुंबई तक। जीपीएस आतंकवादी अनुलग्नक-III के निकट तट पर पहुँचते हैं।
मछली पकड़ने वाली नाव। लगभग 150 किमी दक्षिण-पूर्व से प्राप्त डेटा को मुंबई के बडवार पार्क की सहायता के लिए पहले से ही प्रोग्राम किया गया है (कृपया देखें)
50. मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर से बरामद व्यक्तिगत उपयोग की कई वस्तुओं में पाकिस्तान में निर्मित होने के स्पष्ट संकेत हैं (कृपया अनुलग्नक-II देखें)।
51. मुंबई हमले की जिम्मेदारी लेने वाला एक ईमेल 'दक्कन मुजाहिदीन' नामक एक अब तक अज्ञात संगठन द्वारा मीडिया को भेजा गया था। ईमेल आईडी 'deccanmujahideen@gmail.com' का आईपी पता रूस में स्थित एक प्रॉक्सी सर्वर से जुड़ा हुआ था। सर्वर डेटा की जांच से पता चला है कि लश्कर-ए-तैबा के संचार समन्वयक जर्रार शाह ने 26 नवंबर, 2008 की शाम को विशेष रूप से हमले की जिम्मेदारी लेने वाला ईमेल भेजने के लिए एक नया ईमेल खाता बनाया था। यह भी पता चला है कि जर्रार शाह एक अन्य ईमेल आईडी 'drmoazam@ymail.com' का उपयोग कर रहा था, जिसे 24 जून को 1440 Z पर आईपी पता 118,107.140.139 के माध्यम से पाकिस्तान से पंजीकृत किया गया था।
टी।
11

टेलीफोनी लिंक
52. आतंकवादियों के नियंत्रक/संचालक पूरे अभियान के दौरान टेलीफोन के माध्यम से निर्देश देते रहे। उन्होंने वीओआईपी कॉलिंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया। नियंत्रक/संचालकों द्वारा इस्तेमाल किए गए नंबरों की जांच से पता चला है कि एक नंबर 'वर्चुअल नंबर' है और पांच ऑस्ट्रिया के कंट्री कोड वाले डीआईडी नंबर हैं। वर्चुअल नंबर में अमेरिका का कंट्री कोड है और यह +1 201 2531824 है। इस वर्चुअल नंबर का इस्तेमाल भारत में आतंकवादियों को कॉल भेजने के लिए किया गया था। यह वर्चुअल नंबर शुरू में कॉलफोनेक्स नामक एक अमेरिकी कंपनी के साथ भारत के खरक सिंह नामक व्यक्ति द्वारा स्थापित किया गया था। खाता मोहम्मद अशफाक पीके के नाम से जिग्राम ट्रांसफर के माध्यम से सक्रिय किया गया था। खरक सिंह ने कॉलफोनेक्स से पांच ऑस्ट्रियाई डायरेक्ट इनवर्ड डायलिंग (डीआईडी) नंबर आवंटित करने का भी अनुरोध किया था क्योंकि उनके ग्राहक भारत सहित विभिन्न देशों से कॉल करते थे। खाते का भुगतान वेस्टर्न यूनियन ट्रांसफर के माध्यम से किया गया था। भुगतान 25 नवंबर, 2008 को वेस्टर्न यूनियन एजेंट निज़ार ऐशरीफ़ को किया गया था, जिनका पता मदीना ट्रेडिंग, कोर्सो गैरीबाल्डी S3 A, ब्रेशिया, BS 25100, इटली है। भुगतान की जानकारी इस प्रकार थी: "MTCN: 0579326626, प्रेषक: जावेद इकबाल, राशि:

US$238.78"। वेस्टर्न यूनियन के अनुसार, जावेद इकबाल की जन्मतिथि 31 दिसंबर, 1962 है और उनके द्वारा प्रदान किया गया आयकर प्रपत्र पाकिस्तानी था।

by a mone
88647675

खरक सिंह से पूछा गया कि अगर वह भारत से हैं तो वेस्टर्न यूनियन ट्रांसफर पाकिस्तान से क्यों आ रहा है। कॉलफोनएक्स को इस बारे में कोई जवाब नहीं मिला।

53. आतंकवादियों ने लक्षित इमारतों पर कब्जा कर लिया था और सुरक्षा बल उनसे मुकाबला कर रहे थे, फिर भी वे मोबाइल फोन के जरिए अपने नियंत्रकों/संचालकों से संपर्क में थे। उन्होंने बंधकों/पीड़ितों के मोबाइल फोन का भी इस्तेमाल किया। ताज महल होटल पर हमले के तुरंत बाद, भारतीय एजेंसियां होटल से और होटल को किए गए मोबाइल फोन कॉल को इंटरसेप्ट करने में सक्षम हो गईं। नियंत्रकों/संचालकों ने आभासी नंबर का उपयोग करके आतंकवादियों में से एक के मोबाइल फोन से संपर्क किया।

12

•जे

बातचीत को इंटरसेप्ट किया गया और उसके बाद वर्चुअल नंबर से की गई सभी कॉलों को भी इंटरसेप्ट करके रिकॉर्ड किया गया। इंटरसेप्शन से तीन ऑस्ट्रियाई नंबरों का पता चला, जो कंट्रोलर/हैंडलर द्वारा आतंकवादियों को दिए गए थे, और इन नंबरों पर आतंकवादियों द्वारा की गई बातचीत को भी इंटरसेप्ट करके रिकॉर्ड किया गया। ऑस्ट्रियाई नंबर ऊपर पैराग्राफ 52 में उल्लिखित डीआईडी नंबरों से मेल खाते हैं। इंटरसेप्ट की गई बातचीत के ट्रांसक्रिप्ट का एक नमूना अनुलग्नक-VII में है। ट्रांसक्रिप्ट से पता चलता है कि आतंकवादियों को उनके कंट्रोलर/हैंडलर द्वारा निर्देश और मार्गदर्शन दिया जा रहा था।

मोहम्मद अजमल अमीर ज़ासल का Irjierrpqgti Qn?

54. पकड़े गए आतंकवादी से पूछताछ में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। मोहम्मद अजमल आमिर कसाब ने दावा किया है कि वह लश्कर-ए-तैबा के कुछ महत्वपूर्ण नेताओं से मिला था। जब उसे संबंधित व्यक्ति के पासपोर्ट से ली गई तस्वीर दिखाई गई, तो उसने उसकी पहचान मुजफ्फरबाद और अजीजाबाद के पास स्थित लश्कर-ए-तैबा शिविरों में आतंकवादियों को जानकारी देने वाले व्यक्ति के रूप में की। उसने उस व्यक्ति को लश्कर-ए-तैबा का सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति और मुंबई में हुए अभियानों का मास्टरमाइंड बताया। उसे दिखाई गई तस्वीर जकी-उर-रहमान लखवी की थी।

55. अब तक जुटाए गए साक्ष्य स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के क्षेत्र को 26 से 29 नवंबर, 2008 के बीच मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों का स्रोत बताते हैं। यह भी सर्वथा स्पष्ट है कि लश्कर-ए-तैबा के वरिष्ठ पदाधिकारी दस आतंकवादियों के नियंत्रक/प्रबंधक थे। साक्ष्य निर्विवाद रूप से स्थापित करते हैं कि दस आतंकवादियों का

चयन, प्रशिक्षण, प्रेषण, नियंत्रण और मार्गदर्शन लश्कर-ए-तैबा द्वारा किया गया था, जो इन हमलों के लिए जिम्मेदार संगठन है।
13

अनुबंध- मैं
मुंबई आतंकी हमलों में मारे गए विदेशियों की सूची
51. नहीं.
1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13 14
मैं
सुश्री पिल्लई हेमा
15
जे.डी.
1 7
1 फुट आईबी
1 प्रश्न
20
21
22
23

24

75

26

14

अनुलग्नक II

कुबेर से बरामद वस्तुओं/तस्वीरों की सूची

1

2.

3.

4.

5.

6

7.

8

9.

10.

एन।

12.

13.

14.

15.

16.

15

Annexure II

3 पाकिस्तानी अचार

9

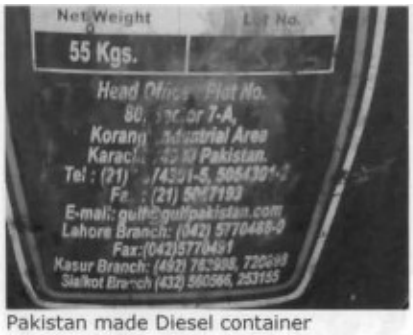

Pakistan made Diesel container

Match box - Made in Pakistan

Detergent powder- Made in Pakistan

■जे

जे

"5

4

मैं

ए

•o 5 2

द्वितीय

3 पाउंड

9 वी

वी

यू

टिशू पेपर_- पाकिस्तान में निर्मित

टी

<» N*t Wtigtit 10Kg जिसका पैक्टाड i ol Pj"M"tan

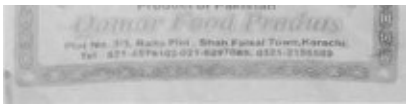

अनुलग्नक II

गेहूं का आटा - पाकिस्तान में निर्मित

माउंटेन ड्यू (2 लीटर) - पाकिस्तान में निर्मित

डेंटल क्रीम-मेडिकैम पाकिस्तान में निर्मित

शेविंग क्रीम - टचमी, पाकिस्तान में निर्मित

Annexure II

Sogo Spray paint-Made in Pakistan

Yamaha engine cover

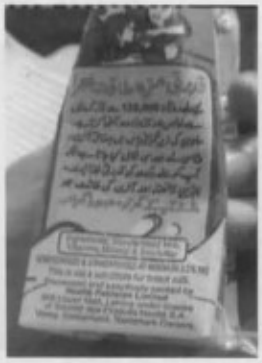

Made in Pakistan milk powder packets (Nestle)

Annexure II

Floor cleaning brush
Made in Pakistan

Milk pack and matchbox
Made in Pakistan

Bermuda-Made in Pakistan

Towel

Jacket

Jacket

अनुलग्नक - III

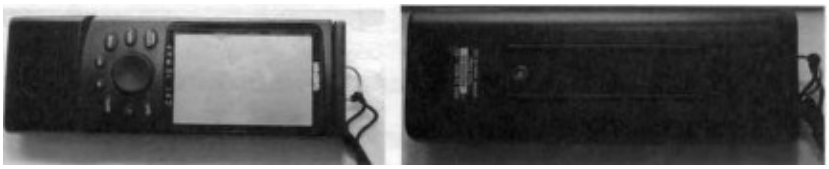

कुबेर से जीपीएस पुनर्प्राप्त किया गया

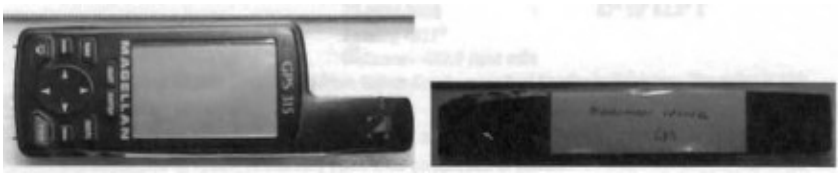

नरिमन हाउस से जीपीएस बरामद किया गया

ताजमहल महल से जीपीएस बरामद किया गया

20

Anngxure - HI

Anncxurc-111 faUc2ofl2

लक्ष्य जीपीएस से प्राप्त 7 मार्ग बिंदुओं के विश्लेषण के आधार पर, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि प्राप्त मार्ग बिंदुओं को निम्नलिखित अनुसार चार अलग-अलग प्रकारों में विभाजित किया जा सकता है: 1} प्रारंभ, वापसी बिंदु- MM (बोर्ड पर MM)

MOD CKTDOTtiS* U*«0>4S.0*M ■

22-wov-ioM • trwnri

बेयरिंग <117*

Wltinr*-407,7 ruui मिल्ट MOB b 10 fcmi Swth-Wwtfrem Ktjhw Cmk, nur Ret) पावस्टन में रेंडू। यह बिंदु कननएम के दक्षिण में आईएसओ किलोमीटर की दूरी पर है।

ठीक है, मैंने हमले के पूरा होने के बाद अपने मूल बिंदु पर लौटने की योजना बनाई थी। 1} पथ जो IE HXtOWID I के लिए समर्थित था

महासागर1

OOAN/SEA

DtitintiOCtAN/lEA बेयरिंग-US*

Btlrirtg - IIS*

OCUN/HA संदर्भ-JALA-1 स्विंग। एचएस»

23° पश्चिम 43.3" उत्तर 67*मी» 51.6'!

is^r ».r«

11'11' 17,1'एन ई

»■ ss' ii.r n nuvn.rt

मुंबई तक सीधे रास्ते से पहुंचने के लिए GPS नेविगेशन में OCENS पॉइंट्स को पहले से ही चिह्नित किया गया था। ये पॉइंट्स आतंकवादियों को OCENS तक पहुंचने में मदद करने के लिए बनाए गए थे ('A1 पॉइंट जो नदी का संकेत देता है, बेधवार पार्क, कोइलविड, कफा परेड, मुंबई)। हालांकि
इस मार्ग को JALA (नीचे समझाया गया है) के रूप में वर्णित किया गया है। OPS में आगमन बिंदु (O&EhSa) पर एक कार का प्रतीक भी दिखाया गया है और आतंकवादियों ने वास्तव में उस स्थान से टैक्सी ली थी।

यू-टच-ज़ूब

बी|एलएचएम-जेड02एस

Olltlnc* - O.lfl naut milt

सीआरटीओ 10:31

*

जेडएमओवी-ज़ूट .

Betrlni-lW

दूरी-432.7 स्की मील

CflTD Id!)]

28-नवंबर-मंगलवार

B«irlni-314*

DliUnct -432.7 रूट मिल

सीआरटीडी 10:32

lWWV-ZOM

बर्लिनरू*

DlitifKt -43 J.) null mMt One 10:32

2WOV-20M

lnrini-3l7a

Anncxurc-lll PijeJofU

टूनो 1007 में TWOAtt पॉइंट्स मिर्टल इन जीपीएस विदन मेंशन ऑफ डीएम 28 .एन .ज़ूआ [1Q-.3 2]। यह «emi thitTOO? एंड मैप विन थ« बीवी फॉर हेफ्ट इंटेंडेड मम टिटर दिस इट्टक। द रूट टू बी फॉलो! डी वुड हाइव बीन T007 थ्रू 70)1,

Annwure - m

ऐनी\uri-lll

3) म्यूट एक्चुअयस्क फोओवेओ टोर रीचिंग मुमफियल:

पहले से ही-3

महासागर/समुद्र

liarl ■ 307"

OittkMi-314.8 naul mil*

महासागर / समुद्र

बिरलिंग- 300"

oiftanti-icuniutmila

महासागर/समुद्र

liaridf-US*

tflitawa-8.71 पूर्ण नॉट

महासागर/समुद्र

बेइर्टनी - एचपी

Dlitanc*-1.13 nam mill

मार्ग का निर्णय भारतीय पाक कला नियमों के साथ निकटता निर्धारित करने के लिए किया गया था।

Durtn, thetr Journey, they marked four potftlont it ihowad ibove at JAU, (howlr* tha actual poUttoru on thih w*y to MhmW.

*5 *3

4) हमले के बाद वापसी यात्रा का नियोजित मार्ग:

% मानचित्र CRTD 23:06 18° 53' 31.5" N

27-नवंबर-2008 72° 50" 56.7" ई बेयरिंग - 000°

^ दूरी - 0 नॉटिकल मील

*J> T007 CRTD 10:32 18° 53' 31.5" N

*जे> 28-नवंबर-2008 72° 50' 56.7" पूर्व

§ दिशा - 0°

दूरी - 0 नॉटिकल मील

*टी

Z TOO6 CRTD 10:32 18° 53" 01.2" N

* 28-नवम्बर-2008 72° 50" 46.1" पूर्व

*जे बेयरिंग - 199°

% दूरी - 0.53 नॉटिकल मील

T005 CRTD 10:32 18° 52' 42.2" N

"5 **

23

3

Annexure - III

Annexure - III

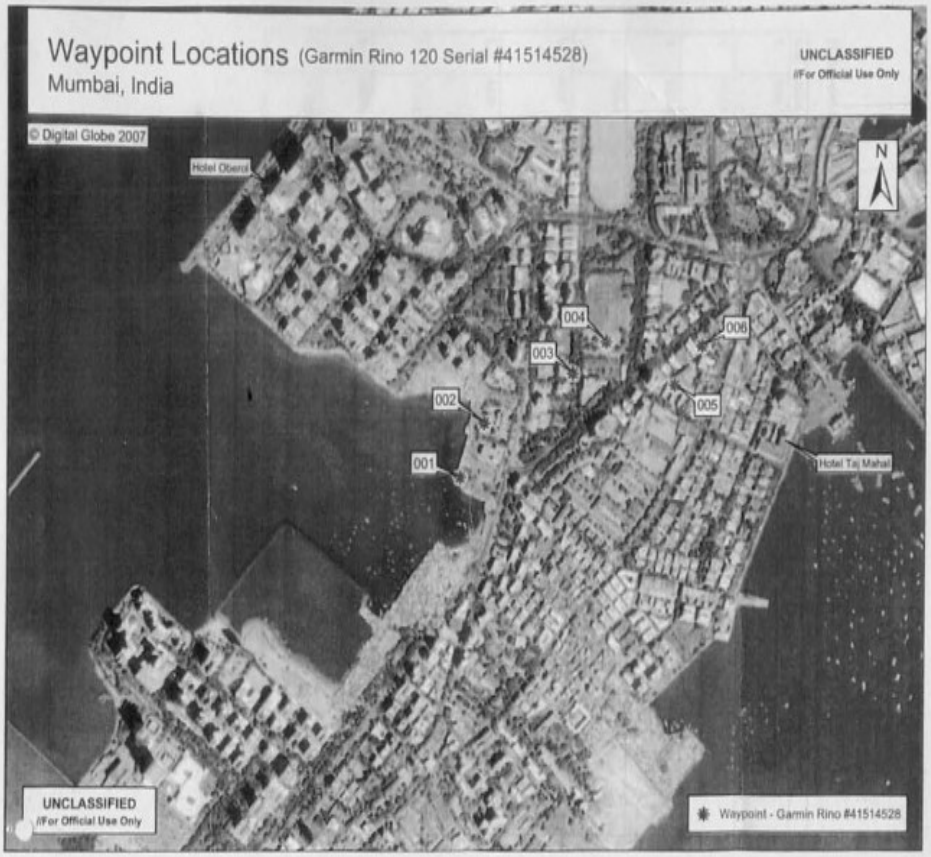

Annexure - III

26

Annexure - III

Annexure-III
Page 8 of 12

GARMIN GPS

H WjjpouLts tad oU of nawO^ *S5

एसजेटीओ

1

मैं

1

4
एस।

1

7.

|

9.

27

अनुलग्नक - III
Vna-uiH-ili

यू

1).

11

11

यू.

मैं
28

अनुलग्नक - III
\nnc\uri-III
के

MOB 20 |M दक्षिण-Wtflfia-ti fajtw Creel तेली बंदर फ़ेई&आन में है। n* WW ti ISO knu SoutMwt ol bnchi 1) कम्मो एमटीयू .TO K FOUOKD :

जे।

मैं।

10

29

Anngxyrg - HI
-ए
l) ऊंचाई और मिमी
रूटके

\niu\unr-lll पासी II of 12

vwwwm- डूबा हुआ

1, J«A1 07:17

एच वाई <नैब

टी जे*यू1 ऑफ़सीएस

4 एमएम 0653

आई- संख्याएँ

टी टीओ6

सी टीडी05

4 नहीं*

टी. टीकेबी

टी टीडीएफ़एफएल

» 1001

30

अनुलग्नक - III

\mu'wr-|ll

T*Od«nrttr Tripnme,

मदुरा स्पीड

liiw una

31

अनुलग्नक IV

THURAYA
HUGHES
Standard Battery Pack
HUGHES
CE 168
SIM
Assembled in EU
GPS 12 MAP
THURAYA
www.thuraya.com
89882
05980
80530
6377

32

अनुलग्नक टीवी

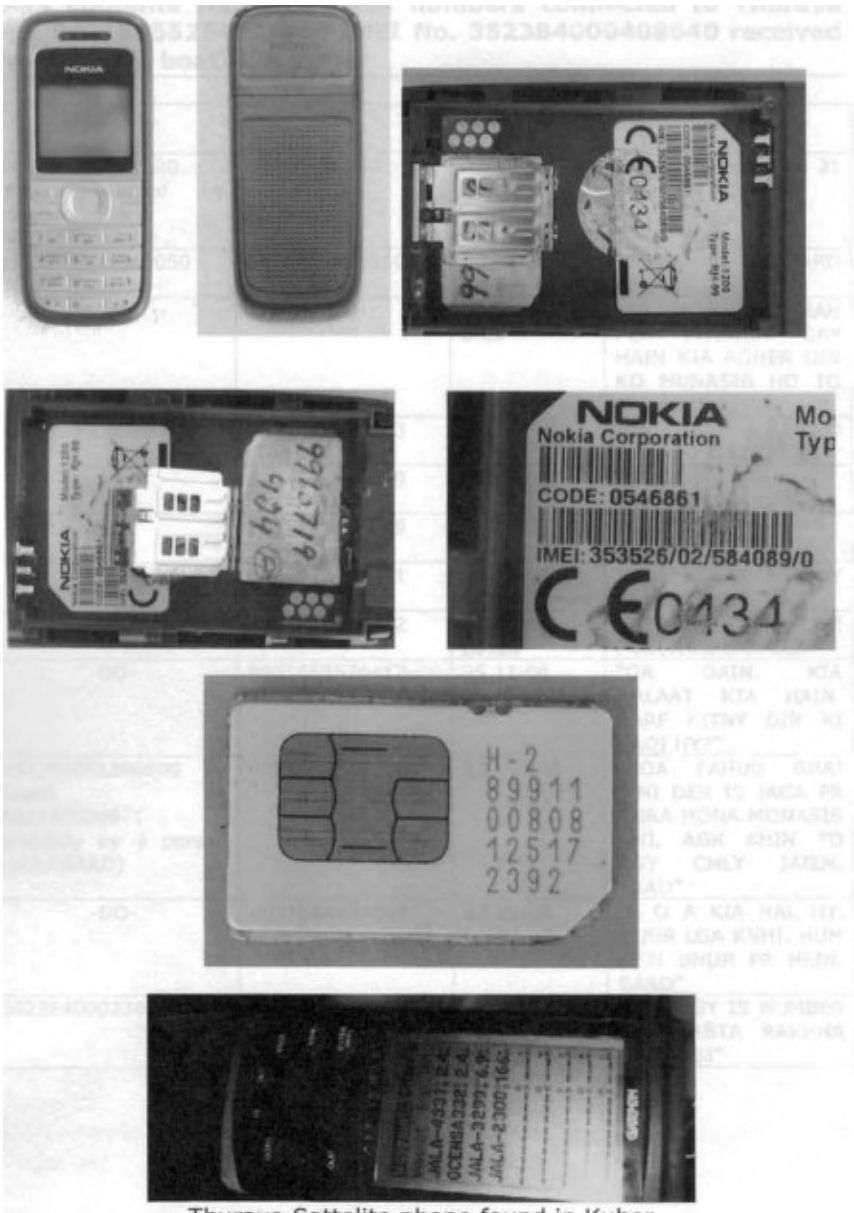

Thuraya Sattelite phone found in Kuber

33

अनुलग्नक IV

थुरैया नंबर 8821655526412 और IMEI नंबर 352384000408640 से जुड़े नंबरों से प्राप्त एसएमएस सामग्री, भारतीय नाव एमएफबी कुबेर से प्राप्त हुई।

IMEI नंबर

352384000541520 (संभवतः संख्या द्वारा उपयोग किया जाता है)

8821655526412

3523840001345050

-करना

352384000408640

-डी0

-डी0

-करना

-करना

-करना

352384001196680 (882165526571 द्वारा उपयोग किया गया, संभवतः SAAD नामक व्यक्ति द्वारा)

-करना

352384000236350

34

घनों का लॉग

24 घंटे की पूरी यात्रा (24 घंटे की संपूर्ण यात्रा)

नाम

Fahadullah + Saquib + Muheeb

अली + हयाज़ी + उमर

इस्माइल + क़याहिज़ + उमर

Fahadullah

अली

इस्माइल

Fahadullah

अली

इस्माइल

Fahadullah

अली

इस्माइल

कोड्स

लेकिन।

1

2

3

4

5

6

7

"GR dene wala (3) jama karega aur lene wala khud (3) nakki karega"

(जीआर प्रदाता (3) जमा करेंगे और प्राप्तकर्ता (3) स्वयं अंतिम रूप देंगे)

"Satellite khula rakha hai (10pm - 10 am) (Satellite is on (10 pm - 10 am)

35

पेज 3

अनुलग्नक V

1. nYahan ka phone number" (इस स्थान का फ़ोन नंबर)
2. "यहाँ का उपग्रह क्रमांक (इस स्थान का उपग्रह क्रमांक)"
3. "Naksha ki photographian" (Photocopies of maps)
4. "Hoyal seton ki simen" (SIMs of Hoyal sets)
5. *टीटी पिस्तौल 2" (2 टीटी पिस्तौल)
6. मिनरल वाटर एक्का फिना
7. "Khajoor Achhi 10 kg" (good quality dates 10 kg)
8. वर्तमान स्टोर चार्जर
9. "जीपीएस या नेविगेटर" (जीपीएस या नेविगेटर)
10. सैटेलाइट + फ़ोन कार्ड
1. बिस्कुट (मिठाई + बेकरी)
2. "सुइयान (बारीक)" (पतली सुई)
3. *आटा ताल" (लाल आटा)
4. "Drum (saman ke liye mai tala)" (drum with lock to keep things)

बंदूक 1 टुकड़ा

पत्रिका (8 भाग)
ग्रेनेड (8 पीस)
जीपीएस समूह 1 टुकड़ा
चेन 1 पीस
आवश्यकतानुसार इटकाफी बुलेट्स
मोबाइल + बैटरियां
पृष्ठ 5
23270972879217
Colaba, Cuffe Parade, Machlimar Nagar, Raja bhai Tower, Regal Chowk, Nathalal Marg, Nariman Point, WTC, Regal Cinema
18.56^200
36

अनुलग्नक V
18-56-000
72-67-560
18-55-600
72-48-900
18-5500-300
72-49-56
18-55-190
72-49-500
18-55-180
72-49-535
21° 55' 470" 68° 17'070" 20° 13' 460" 70° 16' 370" 18° 56' 200" 12° 44' 260" 18° 55' 100"
72° 49' 310
72-47-000 75-47-00

एमबी

| Uhjgiplr <$.

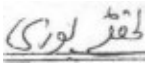

2के

अनुलग्नक V

— , ! "^'^

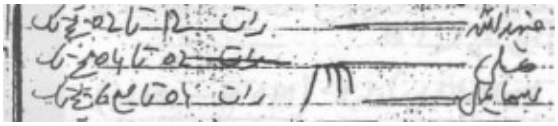

>

मैं - -

आर • ■

टी _ <

&rr से w# w^r

12. i-TT 2- Wr^rf^

38

2बी.

i^-ti^.oi^^

••--:-आर--- - '

i>-*T*r = ~" '

अनुलग्नक V

आर

मी* £

iyJ*'.o>»t.^*r 0

0 -fr^r.-K'^v"^^?

-jifsiT" 7c'*^7^"

•3 ~#rr ^

1 . * «

■ —1——

40

Annexure V

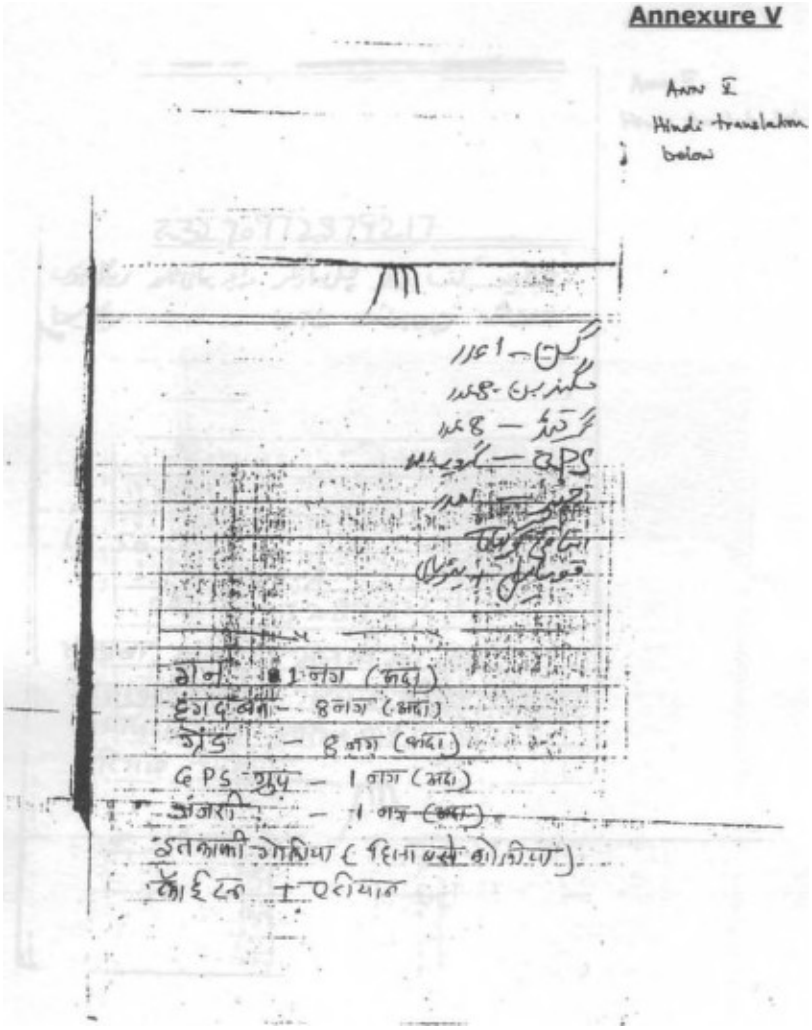

Annexure V

Ann V
Hindi translation below

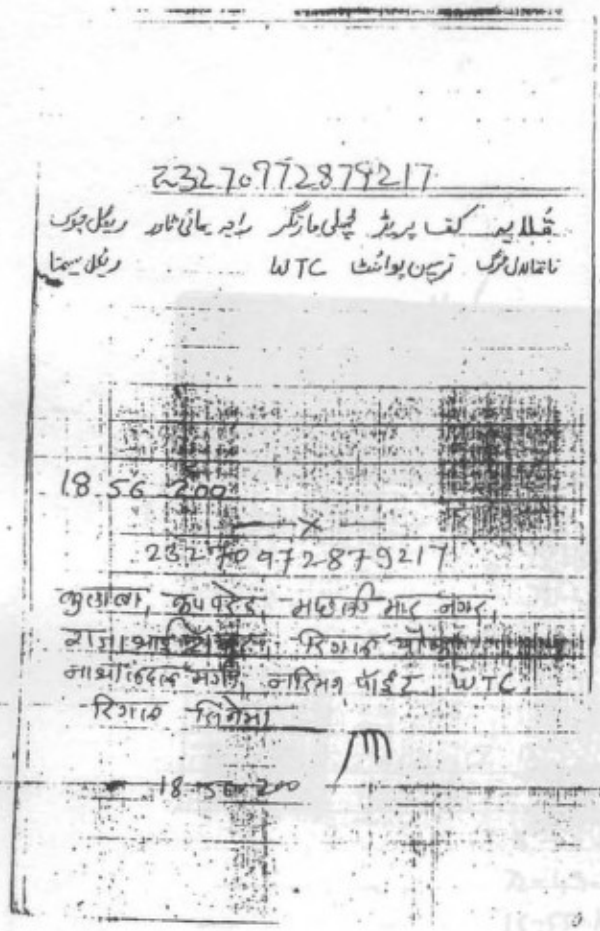

23270972879217

قبلا پیہ کف پریڈ چھلی مارکیٹ راجہ بھائی ٹاور ریگل چوک
ناقابل ترسیل پوائنٹ WTC ریگل سینما

18.56 200

23270972879217

कुलाबा, कफ परेड, मछली मार्केट नगर,
नाथाभाई [illegible], रिगाल चौक
नाथालाल मार्ग, नरिमन पॉइंट, WTC
रिगाल सिनेमा

18.56 200

Annexure V

Ann V.

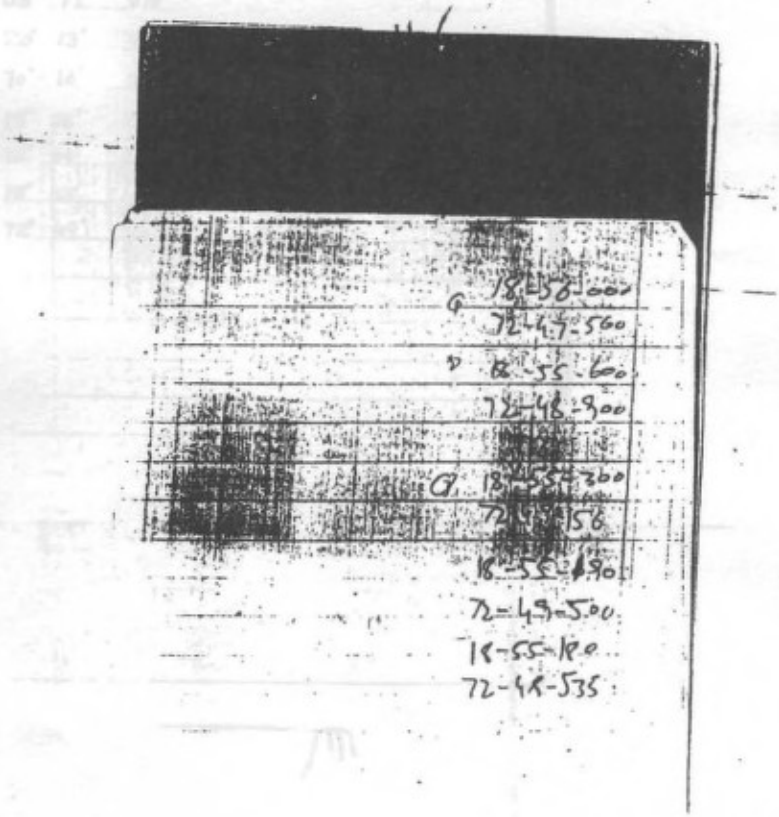

Annexure V

Ann V

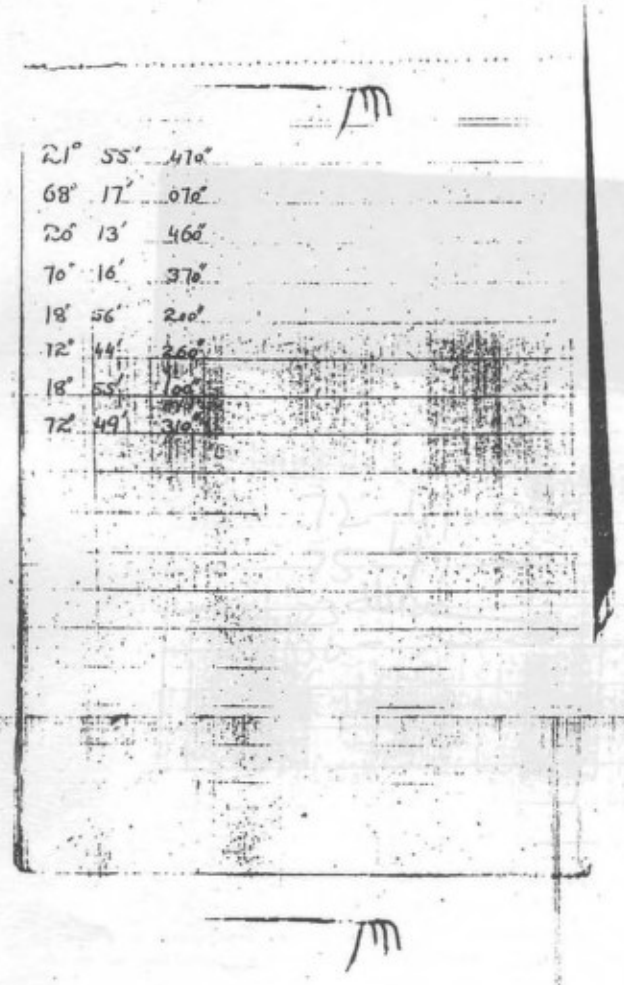

Annexure V

ANN V

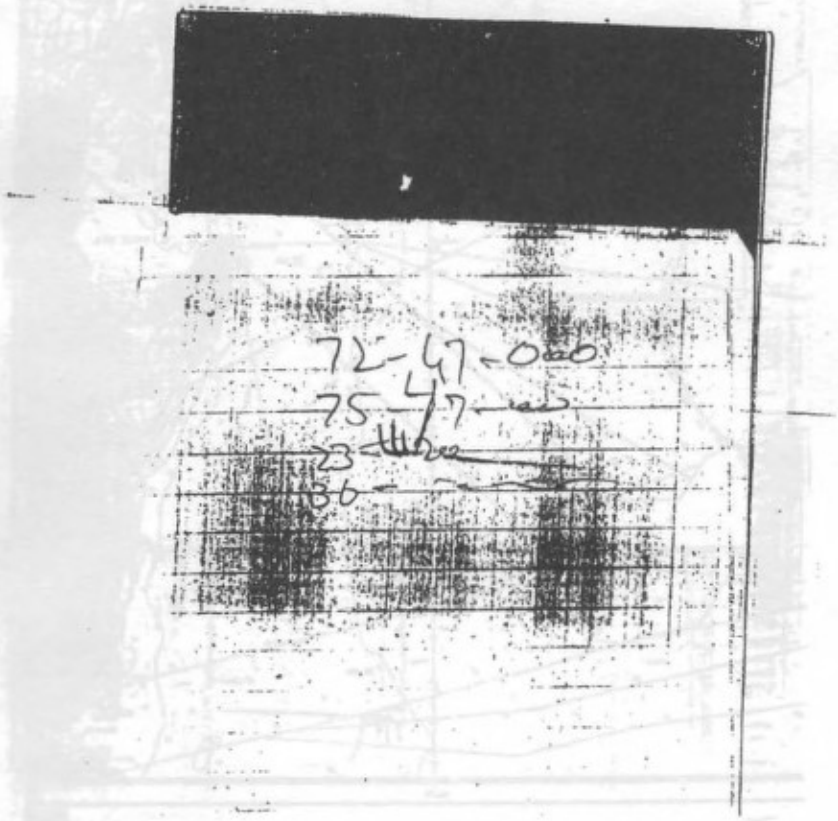

Annexure V

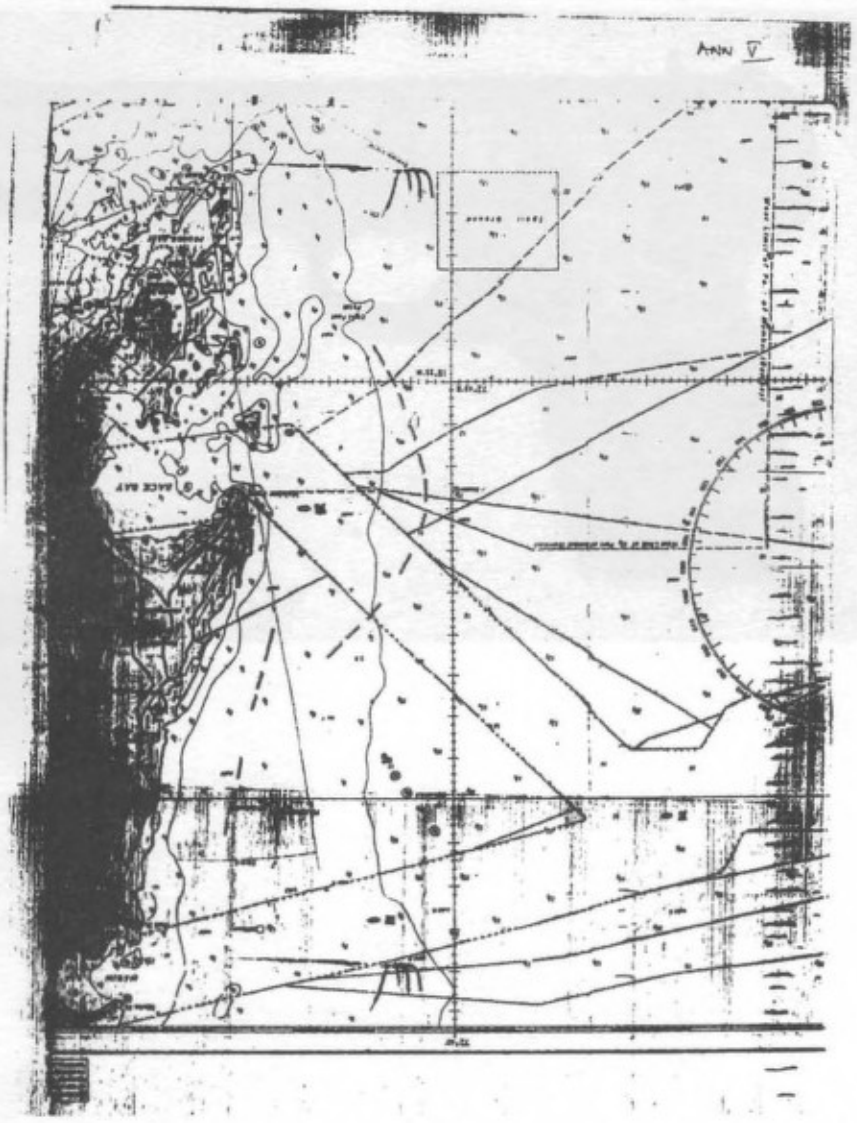

अनुलग्नक VI

Annexure VI

Annexure VI

Grenade

NAMES OF TERRORISTS FIGURING IN THE CON
DURING THE ATTACK (PHONETIC)

अनुलग्नक-VII बातचीत

ए. होटल टैट

i) शुऐब

II) एएच

iii) अब्दुर रहमान

iv) उमर

v) इस्माइल (ताज में उपस्थित नहीं थे, गिरगाम चौपाटी में मारे गए)

i) अब्दुल रहमान @ साकिब

ii) फहदुल्लाह @ फहद

सी. नरिमन हाउस

i) इमरान बब्बर @ इमरान @ काशा

ii) उमर

पाकिस्तान स्थित डीलरों के नाम जिनमें ये नाम शामिल हैं

आयन (ध्वनि संबंधी)

ए. नरिमन हाउस

i) वासी

ii) हानि

iii) जुंदल

iv) Buzurg

v) मेजर जनरल

बी. होटल ओबेरॉय

i) कॉफी

ii) वासी

सी. होटल ताज

i) वासी

अनुबंध- VII

[चुनिंदा रूप से रिकॉर्ड की गई कुछ बातचीत में से एक?]

(स्थानों और नामों आदि का उल्लेख वार्तालाप के आंतरिक साक्ष्यों के आधार पर किया गया है।)

होटल टीजीजे महल; 27,11.2009 ; Q3iQhr$

; अभिवादन !

रिसीवर

कोलर

प्राप्तकर्ता कॉलर

नमस्कार! आपके होटल में तीन मंत्री और मंत्रिमंडल के एक सचिव ठहरे हुए हैं। हमें नहीं पता कि वे किस कमरे में हैं।

ओह! यह तो बहुत अच्छी खबर है! यह तो सोने पर सुहागा है।

उन 3-4 लोगों को ढूंढो और फिर भारत से जो चाहो वो हासिल कर लो।

प्रार्थना है कि हम उन्हें ढूंढ लें।

एक काम करो। बाहर मौजूद नौसेना और पुलिस टीमों पर एक या दो ग्रेनेड फेंक दो।

क्षमा करें। मुझे बिल्कुल समझ नहीं आ रहा कि वे कहाँ हैं।

Narim^n Hpgse: 27.ll.2QQg : 1945 hrs

फोन करने वाला: नमस्कार। मेजर जनरल ने क्या कहा?

प्राप्तकर्ता: नमस्कार। मेजर जनरल ने हमें अपनी इच्छानुसार कार्य करने का निर्देश दिया है। हमें चिंता नहीं करनी चाहिए। यह अभियान कल सुबह समाप्त हो जाएगा। ईश्वर से प्रार्थना करें। दो मैगज़ीन और तीन ग्रेनेड अलग रख लें, और शेष गोला-बारूद का उपयोग कर लें।

■112008 :

कोलर

रिसीवर

कोलर

रिसीवर

कैलियर

क्या आप आग लगा रहे हैं या नहीं?

अभी नहीं। मैं जलाने के लिए गद्दा तैयार कर रहा हूँ।

तुमने लाश के साथ क्या किया?

मैंने उसे वहीं छोड़ दिया।
क्या आपने नीचे पानी के लिए ताले नहीं खोले? (शायद एमवी कुबेर के)
प्राप्तकर्ता: नहीं, उन्होंने ताले नहीं खोले। हमने उन्हें वैसे ही छोड़ दिया था।
जल्दबाजी करने की वजह से। हमने बहुत बड़ी गलती की।
कोलर
रिसीवर
कौन सी बड़ी गलती?
जब हम नाव में चढ़ रहे थे, लहरें काफी ऊंची थीं। तभी एक और नाव आ गई। सबने शोर मचाया कि नौसेना आ गई है। सब जल्दी से कूद पड़े। इसी अफरा-तफरी में इस्माइल का सैटेलाइट फोन पीछे छूट गया।
नरिमन हाउस: 27.11.20Q9 : 222Q hrg
कोलर
भाई, तुम्हें लड़ना होगा। यह इस्लाम की शान का सवाल है। ऐसे लड़ो कि तुम्हारी लड़ाई एक मिसाल बने। अल्लाह के नाम पर मजबूत रहो। तुम थके हुए या नींद में हो सकते हो, लेकिन इस्लाम के कमांडो ने सब कुछ पीछे छोड़ दिया है। अपनी मां, अपने पिता, अपने घर। भाई, तुम्हें इस्लाम की जीत के लिए लड़ना होगा। मजबूत रहो।
आमीन!
ओटेरॉय होटल: 27.11.2008; Q3?3 घंटे
कॉलर: भाई अब्दुल। मीडिया आपके कार्यों की तुलना कर रहा है।
9/11 की घटना में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शहीद हो गए।
अब्दुल रहमान: हम 10वीं मंजिल पर हैं। हमारे पास पाँच बंधक हैं।
52

कॉलर 2 (प्रमुख):
कॉल करने वाला:
Fahadullah:
कॉल करने वाला:
Anngxgre-VII
मीडिया द्वारा सब कुछ रिकॉर्ड किया जा रहा है, अधिकतम नुकसान पहुंचाओ। लड़ते रहो। जिंदा मत पकड़े जाओ।
दो मुसलमानों को छोड़कर बाकी सभी बंधकों को मार डालो। अपना फोन चालू रखो ताकि हमें गोलियों की आवाज सुनाई दे सके।

हमारे साथ तीन विदेशी हैं, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। ये सिंगापुर और चीन से हैं।
मार डालो।
(फहदुल्लाह और अब्दुल रहमान बंधकों को एक पंक्ति में खड़े होने का निर्देश देते हुए और दो मुसलमानों को एक तरफ हटने के लिए कहते हुए सुनाई देते हैं। गोलियों की आवाज। पृष्ठभूमि में जयकारे की आवाजें। काफा ने ज़रार को टेलीफोन दिया।)
ज़रार: फ़हद, नीचे जाने का रास्ता ढूंढो।
होटल ताज महल; 27.11.2QQ9:
कॉल करने वाला: प्राप्तकर्ता: कॉल करने वाला: प्राप्तकर्ता:
कॉलर: कॉलर (2):
मुझे उमर से बात करने दीजिए।
एक नंबर नोट कर लीजिए। नंबर है 00437 20880764। यह किसका नंबर है? यह मेरा है। फोन मेरे पास है।
एटीएस प्रमुख मारा गया है। आपका काम बहुत महत्वपूर्ण है। अल्लाह आपकी मदद कर रहा है। वज़ीर (मंत्री) को भागने नहीं देना चाहिए। उस जगह को आग लगाने की कोशिश करो।
हमने चार कमरों में आग लगा दी है।
आग की लपटें देखकर लोग इधर-उधर भागने लगेंगे। हर 15 मिनट में एक ग्रेनेड फेंकते रहो। इससे दहशत फैल जाएगी। यहाँ, "बाबा" से बात करो।
पूरे इलाके में भारी संख्या में पुलिसकर्मियों और नौसेना कर्मियों ने घेराबंदी कर रखी है। हिम्मत बनाए रखें!
53

अनुबंध- VII
होटल ताज मैपल; 27,11.2008 : क्यू1क्यूएस घंटा
फोन करने वाला: आपके पास कितने बंधक हैं?
प्राप्तकर्ता: हमारे पास बेल्जियम से एक व्यक्ति था। हमने उसे मार डाला है।
बैंगलोर का एक लड़का था। उसे काबू में करना बहुत मुश्किल था।
कॉलर: मुझे उम्मीद है कि उनमें से कोई मुसलमान नहीं है?
प्राप्तकर्ता: नहीं, कोई नहीं।
नरिमन हाउस: 27.11.2008 : 1945 बजे
वस्सी: ध्यान रखें कि बंधकों का उपयोग केवल तभी किया जा सकता है जब...
जब तक उनकी सुरक्षा के कारण आप पर हमला न हो, तब तक चिंता न करें। यदि फिर भी खतरा हो, तो बंधकों का बोझ अपने कंधों पर न लें, उन्हें तुरंत मार डालें।

प्राप्तकर्ता: जी हाँ, ईश्वर की कृपा से हम ऐसा ही करेंगे।
वस्सी: सेना का दावा है कि उसने यह काम बिना किसी की मदद के किया है।
बंधकों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। एक और बात; इज़राइल ने राजनयिक चैनलों के माध्यम से बंधकों को छुड़ाने का अनुरोध किया है। यदि बंधकों की हत्या होती है, तो इससे भारत और इज़राइल के बीच संबंध खराब हो जाएंगे।
प्राप्तकर्ता: ईश्वर की इच्छा से ऐसा ही हो।
वस्सी: सतर्क रहो।
54

भाग - II
विदेश मंत्रालय
II. मुंबई हमलों पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया
मुंबई हमले के बाद पाकिस्तानी नेताओं और अधिकारियों ने अलग-अलग बयान दिए, जो लगातार टालमटोल करने का संकेत देते हैं।
जनवरी 09 विदेश मंत्रालय* 60

आईएसआई के महानिदेशक का भारत दौरा
■ प्रारंभिक स्थिति: 28 नवंबर 2008 को, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की कि आईएसआई के महानिदेशक भारत का दौरा करेंगे।
■ स्थिति में बदलाव: बाद में, 28 नवंबर 2008 की रात को प्रधानमंत्री आवास के एक प्रवक्ता ने कहा कि महानिदेशक के बजाय अंतर-सेवा खुफिया (आईएसआई) का एक प्रतिनिधि भारत का दौरा करेगा।
30 नवंबर 2008 को राष्ट्रपति जरदारी ने एक साक्षात्कार में कहा: "गलतफहमी हो गई थी। हमने घोषणा की थी कि मेरी तरफ से एक निदेशक नियुक्त किया जाएगा। यही (भारतीय) प्रधानमंत्री का अनुरोध था और इसी पर हम सहमत हुए थे।"
जनवरी 09 विदेश मंत्रालय 61
हवाई क्षेत्र का उल्लंघन और सैन्य निर्माण
• 13 दिसंबर 2008 को प्रधानमंत्री गिलानी ने कहा कि यह एक मामूली तकनीकी गलती थी। सूचना मंत्री शेरी रहमान ने कहा कि यह अनजाने में हुई थी।
• 14 दिसंबर 2008 को राष्ट्रपति जरदारी ने कहा कि यह एक तकनीकी गलती थी।
• 18 दिसंबर 2008 को पाकिस्तान ने 12 और 13 दिसंबर 2008 को भारतीय विमानों द्वारा कथित तौर पर किए गए तकनीकी और हवाई क्षेत्र के उल्लंघन पर अपनी चिंता व्यक्त की।

• भारत ने 13.12.2008 को ही हवाई क्षेत्र के उल्लंघन से इनकार कर दिया था।
जनवरी 9 विदेश मंत्रालय 6?

कसाब की पहचान और पाकिस्तानी नागरिकों की संलिप्तता
• 7/12/08 को संडे ऑब्जर्वर अखबार की एक रिपोर्ट से यह साबित हुआ है कि पिछले सप्ताह मुंबई पर हुए आतंकवादी हमलों के दौरान भारतीय पुलिस द्वारा पकड़ा गया एकमात्र जीवित हमलावर पाकिस्तानी पंजाब के ओकारा जिले के फरीदकोट गांव का रहने वाला था।
• 13 दिसंबर 2008 को, जियो टीवी ने बताया कि जब अजमल कसाब के पिता को मुंबई हमलों के बाद अखबारों में प्रकाशित तस्वीरें दिखाई गईं, तो उन्होंने पुष्टि की कि तस्वीर में दिख रहा व्यक्ति उनका बेटा था।
■ 9 दिसंबर 2008 को, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने कहा कि i) पाकिस्तान सरकार ने मुंबई हमलों में व्यक्तियों और संस्थाओं की संलिप्तता के आरोपों के संबंध में स्वयं ही जांच शुरू कर दी है n) मुंबई हमलों में कथित रूप से शामिल व्यक्तियों को गिरफ्तार करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा समर्थित एक खुफिया अभियान पहले से ही चल रहा है।
कसाब की पहचान और पाकिस्तानी नागरिकों की संलिप्तता (2)
स्थिति में बदलाव
• 17 दिसंबर 2008 को भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त शाहिद मलिक ने कहा कि अजमल कसाब पाकिस्तानी नागरिक नहीं है।
• 17 दिसंबर 2008 को राष्ट्रपति जरदारी ने बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि अभी तक इस बात का कोई सबूत नहीं है कि मुंबई पर हमला करने वाले बंदूकधारी पाकिस्तान से आए थे।
9 जनवरी, विदेश मंत्रालय, 64

मसूद अजहर के बारे में विरोधाभासी बयानों का कालक्रम
• 9-12-08 को रक्षा मंत्री चौधरी अहमद मुख्तार ने सीएनएन-आईबीएन को बताया कि मसूद अजहर को हिरासत में ले लिया गया है और पाकिस्तान भारतीय जांचकर्ताओं को उससे पूछताछ करने की अनुमति "दे सकता है"।
• 9-12-08 को ही बहावलपुर पुलिस के एक अधिकारी ने आज टीवी को बताया कि मसूद अजहर की गतिविधियों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है।
• 10-12-08 को शाम को गिलानी ने पत्रकारों से कहा कि "हम मसूद अजहर के बारे में नवीनतम रिपोर्टों की प्रतीक्षा कर रहे हैं"। उन्होंने मसूद अजहर की हिरासत की पुष्टि या खंडन नहीं किया।
9 जनवरी, फाइलनैंफ मामलों का मंत्रालय b*>
मसूद अजहर पर विरोधाभासी कथनों का कालक्रम (2)

• 17-12-08 को, भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त ने 'नेटवर्क 18' को बताया कि पाकिस्तानी सरकार ने अज़हर को आतंकवादी समूहों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत हिरासत में नहीं लिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि मसूद अज़हर पाकिस्तान में नहीं है।
• 17-12-08 को शाम 9 बजे विदेश मंत्री कुरैशी ने "न्यूज़ आई" को बताया कि मसूद अजहर "हिरासत में" है।
• 17-12-08 को रात 10 बजे विदेश मंत्री कुरैशी ने कहा कि मसूद अजहर पाकिस्तान सरकार द्वारा वांछित है, लेकिन वह हमारी हिरासत में नहीं है और वह फरार है।
• 18-12-08 को विदेश मंत्रालय के जनसंपर्क बयान में कहा गया, "विदेश मंत्री ने कहा था कि श्री मसूद अजहर पाकिस्तान के कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा वांछित हैं और फरार हैं।"
9 जनवरी, विदेश मंत्रालय एम
33

फर्जी कॉल की समस्या
• पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों ने दावा किया कि पाकिस्तान के राष्ट्रपति को 28-11-08 को भारत के विदेश मंत्री का धमकी भरा फोन आया था। बाद में पता चला कि यह फोन फर्जी था। हालांकि, पाकिस्तान ने भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर दहशत फैलाने के लिए इस घटना का लगातार इस्तेमाल किया है।
• हमारे विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया है कि:
• "राष्ट्रपति जरदान के साथ मेरी आखिरी और एकमात्र बातचीत मई 2008 में इस्लामाबाद में हुई थी।"
• "पाकिस्तानी नेता के साथ मेरी एकमात्र टेलीफोन पर बातचीत 28-11-08 को नई देफी में पाकिस्तान के विदेश मंत्री के साथ हुई थी।"
• "मैं इसका श्रेय केवल पाकिस्तान में बैठे उन लोगों को दे सकता हूँ, जो इस तथ्य से ध्यान भटकाना चाहते हैं कि पाकिस्तानी क्षेत्र से संचालित एक आतंकवादी समूह ने मुंबई पर एक भयावह हमले की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया।"
मिनी इट/वाई ऑफ आई
श्रीमती बेनजीर भुट्टो की हत्या की जांच
• श्रीमती बेनजीर भुट्टो की हत्या 27 दिसंबर 2007 को हुई थी और किसी भी फोरेंसिक जांच के पूरा होने से पहले ही घटनास्थल को साफ कर दिया गया था।

• हत्या की साजिश का विवरण रहस्य बना रहा। श्रीमती भुट्टो ने स्वयं अक्टूबर 2007 में पाकिस्तान के राष्ट्रपति को लिखे एक पत्र में सेवारत और सेवानिवृत्त खुफिया अधिकारियों को अपनी हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया था।
• कई लोगों का मानना था कि सरकार इस हत्या में शामिल थी, जिसके चलते पाकिस्तान में निष्पक्ष जांच की व्यापक मांग उठी।
• 31 मई 2008 को पाकिस्तान ने औपचारिक रूप से संयुक्त राष्ट्र महासचिव से पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या की परिस्थितियों की जांच के लिए एक स्वतंत्र आयोग गठित करने का अनुरोध किया।
• संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने 26 दिसंबर 2008 को घोषणा की कि संयुक्त राष्ट्र, रिपब्लिकन पार्टी के साथ इस तरह के आयोग की स्थापना के लिए परामर्श कर रहा है।
जनवरी ऑयल एमएम) या बाहरी एमयूएम
34

भाग - III
जनवरी 09 विदेश मंत्रालय 89
III. पाकिस्तान के साथ साझा किए गए साक्ष्य
अगस्त 2004 से नवंबर 2008 तक विभिन्न बैठकों में पाकिस्तान के साथ बार-बार निम्नलिखित विषयों पर जानकारी साझा की गई:
• पाकिस्तान स्थित संगठनों और संस्थाओं द्वारा भारत में किए गए आतंकवादी हमले
• भारतीय कानून से भागे हुए अपराधी
• आतंकवाद से संबंधित अन्य मामले।
जनवरी 09 विदेश मंत्रालय 70

गृह सचिवों की वार्ता, 10-11 अगस्त, 2004
जम्मू और कश्मीर तथा भारत के अन्य हिस्सों में पाकिस्तान स्थित/आईएसआई प्रायोजित आतंकवादी संगठनों द्वारा अंजाम दी गई 20 प्रमुख आतंकी घटनाओं का विवरण।
भारत के विभिन्न हिस्सों में भंडाफोड़ किए गए 21 प्रमुख आतंकवादी मॉड्यूल का विवरण, जिसमें पाकिस्तान स्थित खुफिया एजेंसियों द्वारा प्रायोजित आतंकवादी संगठनों की संलिप्तता का खुलासा हुआ है। आतंकवादी संगठनों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले पाकिस्तान/पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित 12 ज्ञात प्रशिक्षण शिविरों की सूची और मानचित्र।

पाकिस्तान/पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी संगठनों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 31 संचार नियंत्रण केंद्रों की सूची, मानचित्र सहित। भारत में कानून से भागे हुए 25 सबसे वांछित अपराधियों की सूची, जो पाकिस्तान में रह रहे हैं, का विवरण सहित विवरण।
भारत में नकली भारतीय करेंसी नोटों (एफआईसीएन) के प्रचलन में आईएसआई और पाकिस्तानी नागरिकों की संलिप्तता दर्शाने वाले नमूना मामले।
जम्मू और कश्मीर में मारे गए 257 पाकिस्तानी नागरिकों और विदेशी भाड़े के सैनिकों की सूची, जिनका दावा पाकिस्तान/पाकिस्तान अधिकृत क्षेत्र में स्थित आतंकवादी संगठनों ने किया है।
9 जनवरी, विदेश मंत्रालय
गृह सचिवों की वार्ता, 29-30 अगस्त, 2005
List along with details of most wanted fugitives; from law In India who are residing In Pakistan: Dawood Ibrahim Kaskar @ Shaikh Dawood Hasan @ Dawood Sabri (Indian). Memon Ayub Abdul Razak (Indian). Memon Ibrahim @ Tiger @ Mushiaq @ Sikander (Indian). Shaikh Snaked @ Chhola Shakeel (Indian). Ibrahim Athar ©Ahmed Ali Mohd Alt Sheikh ® Siddiqui Javed @ Chief @ AA Sheikh @ Ibrahim (PAKI.Azhar Yusuf ©Mohd Salim (PAK). Mistn Zahur Ibrahim @ Bhola jPAK). Sayeed Shahid Akhtar @ Doctor @ Moli Khalid (PAK). Shakir Md @ Shankar @ Raiesh Gopal Verrna® Ram Gopal Verma @ Farooq Abdul Aziz Siddiqi (PAK), Ishaq Alt a Hussain @ Alt Moos a (Indian). Sagir Sabir Ah Shaikh (Indian), Mautana Mohammad Masood Azhar AM @ Maulana Masood Azhar @ Vali Adam Isa (PAK), Mohd Yusuf Shah @ Salauddin (Indian). Gajinder Singh @ GAiinder Singh Khatsa (Indian). Lakhbif Singh @ Singh Lakhbir Rode@ Singh Laknbir (Indian). Paramjil Singh Panjwar @ Paramjil Pamma @ Gian Singh (Indian). Ranjil Singh @ Manpreel Singh @ Neeta (Indian). Wadhawa Singh (Indian). .Anwar Ahmed Haji Jamal Theba (Indian). Anis Ibtahim Kaskar Shaikh (Indian).Mohammad Ahmed Dosa (Indian), Amanuliah Khan (PAK). Aflab Satkl (PAK). Abdul Rauf (PAK), Javed Pate)® jaued Chlkna @ Javed Dawood Tailor (Indian).Karimulla Habib Shaikh (I ' Slaim Abdul Gani Gazi (Indian). Rtyaz Abu Bakar Khatn (Indian), Munau Halari (Indian). Mohd. tamur Mohd Phansopkar Salim Mujahid (Indian)
जनवरी 09 विदेश मंत्रालय 72

गृह सचिवों की वार्ता, 30-31 मई, 2006
जम्मू-कश्मीर और भारत के अन्य हिस्सों में पाकिस्तान/पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर स्थित/आईएसआई प्रायोजित आतंकवादी संगठनों द्वारा अंजाम दी गई हालिया प्रमुख आतंकी घटनाओं का विवरण।

भारत के विभिन्न हिस्सों में हाल ही में नष्ट किए गए प्रमुख आतंकवादी मॉड्यूल के विवरण से पता चलता है कि इसमें पाकिस्तान/पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर स्थित/आईएसआई प्रायोजित आतंकवादी संगठनों की संलिप्तता थी।
मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों के लिए नकली भारतीय मुद्रा की आपूर्ति में शामिल आईएसआई के एक सदस्य का प्रोफाइल।
पाकिस्तान/पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और उत्तरी क्षेत्रों में आतंकवादी संगठनों द्वारा उपयोग किए जाने वाले प्रमुख प्रशिक्षण शिविरों की सूची, मानचित्र सहित। पाकिस्तान/पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी संगठनों द्वारा उपयोग किए जाने वाले संचार नियंत्रण केंद्रों की सूची, मानचित्र सहित। भारत में कानून से भागे हुए 35 सबसे वांछित अपराधियों की सूची, जो पाकिस्तान में रह रहे हैं, का विवरण सहित।
हाल ही में भारत में मारे गए/गिरफ्तार किए गए पाकिस्तानी और विदेशी भाड़े के सैनिकों की सूची।
73
विदेश सचिवों की बैठक, 14-15 नवंबर, 2006
• 14 नवंबर, 2006 को भारतीय विदेश सचिव द्वारा पाकिस्तानी विदेश सचिव को सौंपा गया दस्तावेज़, जिसमें पाकिस्तान के निम्नलिखित देशों से संबंधों का उल्लेख है:
• वाराणसी में 7 मार्च 2006 को हुए दोहरे बम धमाके
• 29 अक्टूबर 2005 को दिल्ली में हुए सिलसिलेवार बम धमाके।
• 12 अक्टूबर 2005 को हैदराबाद में एसटीएफ कार्यालय पर आत्मघाती बम हमला।
• 5 जुलाई 2005 को अयोध्या में आतंकवादी हमला
जनवरी 09 एम.एम.एस.एल.ए.आर. 74

जेएटीएम की पहली बैठक, 6 मार्च, 2007
आतंकवाद विरोधी और मादक पदार्थों की तस्करी (30-31 मई, 2006) संबंधी मामले में जारी 35 रेड कॉर्नर नोटिस के विषय से संबंधित विवरण पहले ही पाकिस्तानी पक्ष के साथ साझा किए जा चुके हैं। निम्नलिखित 12 मामलों का विवरण देने वाला एक दस्तावेज़ सौंपा गया था।
हरेन पंड्या हत्याकांड के आरोपी को निर्वासित किया गया। अहमदाबाद में सार्वजनिक परिवहन बसों में विस्फोट। स्पेशल टास्क फोर्स (हैदराबाद पुलिस) पर आत्मघाती बम हमला। श्रीलंका में कांग्रेस रैली पर फिदायीन हमले में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद। श्रीलंका में पर्यटकों पर ग्रेनेड हमले। मोहम्मद मौलाना बाबा उर्फ ही द्वारा की गई हिंसा। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में तात्कालिक विस्फोटक उपकरण लगाना। बोनियार, बारामूला, जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों पर हमला। गुलाम रसूल शाह का फरार होना। मुंबई की लोकल ट्रेनों में सिलसिलेवार विस्फोट।
7एस

गृह सचिवों की वार्ता

3-4

जम्मू-कश्मीर और भारत के अन्य हिस्सों में पाकिस्तान/पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित आतंकवादी संगठनों द्वारा अंजाम दी गई हालिया प्रमुख आतंकी घटनाओं का विवरण। जम्मू-कश्मीर और भारत के अन्य हिस्सों में हाल ही में उजागर हुए प्रमुख आतंकी मॉड्यूल का विवरण, जिनमें पाकिस्तान/पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित आतंकवादी संगठनों की संलिप्तता का खुलासा हुआ है।

पाकिस्तान खुफिया प्रतिष्ठान के तत्वों द्वारा आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध नकदी के प्रसार आदि सहित भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने में संलिप्तता के विशिष्ट मामले। पाकिस्तान/पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और उत्तरी क्षेत्रों में आतंकवादी संगठनों द्वारा उपयोग किए जाने वाले प्रमुख प्रशिक्षण शिविरों की सूची, मानचित्र सहित। पाकिस्तान/पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी संगठनों द्वारा उपयोग किए जाने वाले संचार नियंत्रण केंद्रों की सूची, मानचित्र सहित।

भारत में कानून से भागे हुए सबसे वांछित अपराधियों की सूची, जो पाकिस्तान में रह रहे हैं, उनके विवरण सहित।

हाल ही में मारे गए/गिरफ्तार किए गए पाकिस्तानी और अन्य विदेशी आतंकवादियों की सूची और भारत में आतंकवादी गतिविधियों में उनकी संलिप्तता

78

जे एटीएम की द्वितीय बैठक, 22 अक्टूबर, 2007

मैं भारत द्वारा निम्नलिखित पर आधारित जानकारी लेकर आया हूं: मुहम्मद यूनुस @ लश्कर-ए-तैयबा का बिलाट; अब्दुल्ला @ असगर ऑल ओ (लश्कर-ए-तवाबा मुजफ्फर अहमद रल्हेर <जी) लश्कर-ए-तवाबा की रति; जैश-ए-मुहम्मद के मुहम्मद बिलाल® ज़ुबत्र; जैश-ए-मुहम्मद के अदनान यंग्स भट्टी® मुहम्मद सोहाल्ट अफ़ज़ल; हरकत-उल-इस्लामी के जलायुद्दीन मुल्ला उर्फ बाबू भाल; हरकत-उल-जेहादल-इस्लामी के मुहम्मद नौशाद; हरकत-उल-जेहाद-अल-इस्लामी के नासिर हुसैन; हरकत-उल-जेहाद-अल-इस्लामी के मुहम्मद याकूब; हरकत-उल-जेहाद-अल-इस्लामी के शेख मुखलर हुसैन; हरकत-उल-जेहाद-अल-इस्लामी के मुहम्मद अली अकबर हुसैन, लश्कर-ए-तवाबा के मुहम्मद यासीन उर्फ अबू सरका, लश्कर-ए-तैयबा के अख्तर तेली उर्फ अख्तर अल इस्लाम, और हिजबुल मुजाहिदीन के मुबारक अहमद वनल। निम्नलिखित घटनाओं की जांच में एकत्रित जानकारी: 13-07-2004 को श्रीनगर में पूर्व उपमुख्यमंत्री राम शर्मा पर हमला, 17-11-2004 को श्रीनगर में प्रधानमंत्री की बैठक पर आतंकवादी हमला, 29-07-2005 को श्रीनगर के बॉम्बे गुजराल होटल पर आतंकवादी हमला, 10-18-2005 को विधायक/सीपीएम एम वाई तंगामी पर आतंकवादी हमला और पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री गुलाम नबी लोन की हत्या, श्रीनगर के नगीन स्थित सीआरपीएफ कैंप पर

आतंकवादी हमला। 23 नवंबर 2005 को श्रीनगर के पिरदौस सिनेमा हॉल पर आतंकवादी हमला* और 30 नवंबर 2005 को श्रीनगर के जम्मू-कश्मीर बार में डकैती*।
मुंबई विस्फोट मामले 1993 में वांछित 48 फरार लोगों की समेकित सूची * आईसी-814 के अपहरणकर्ता + अवैध हथियार तस्करी में एफ के अपहरणकर्ता + उत्पीड़क 3
9 जनवरी
77
जेएटीएम की तीसरी बैठक
24 जून, 2008
■ दस्तावेज़ सौंपा गया जिसमें पूछताछ के आधार पर जानकारी शामिल है: लश्कर-ए-तैयब्बा के इमरान शहजाद उर्फ अबू शमा, लश्कर-ए-तैयब्बा के मुहम्मद फारूक भट्टी उर्फ अबू ज़ार, लश्कर-ए-तैयब्बा के सबाहुद्दीन अहमद उर्फ फरहान। रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हमले में लश्कर-ए-तैयबा का मुहम्मद शरीफ उर्फ सुहैल शामिल था, 01 जनवरी, 2008
■ हिजबुल मुजाहिदीन के निसार अहमद भट उर्फ गाजी मिस्बाहुद्दी और हिजबुल मुजाहिदीन के ताजम अल-इस्लाम उर्फ आसिफ जम्मू-कश्मीर के सांबा में लश्कर-ए-तैयबा (LeT) द्वारा किए गए आतंकवादी हमले में शामिल थे।
■ जैश-ए-मुहम्मद के मुहम्मद आबिद उर्फ सफदर, जैश-ए-मुहम्मद के सैफुत रहमान उर्फ यूसुफ खान और जैश-ए-मुहम्मद के मिर्जा राशिद बेग उर्फ राजा एक राजनीतिक हस्ती के अपहरण की साजिश में शामिल थे।
■ सकतब अजीज मलिक उर्फ लश्कर-ए-तैयबा का अबू सईद। तफ़ीम अकमल हाशमी @ अल बदर की फीमा। हिज्बुल मुजाहिदीन के कुर्बान अली उर्फ जुबैर और जैश-ए-मुबम्मद के जफर इकबाल सूडान® रहमान 14-10-07 को श्रीतानगर सिनेमा हॉल, लुधियाना, पंजाब में एक विस्फोट में शामिल थे
• भारत में मारे गए लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के आतंकवादियों की सूची - जैसा कि JuD/LeT की पत्रिकाओं में दावा किया गया है
जनवरी ओएस
मंत्रालय
78
39

जेएटीएम की विशेष बैठक
24-10-2008
भारत द्वारा सौंपे गए दस्तावेज़ में पूछताछ के आधार पर जानकारी शामिल है।

दाऊद इब्राहिम गिरोह का करीमुल्लाह ओसैन खान उर्फ करीमुल्लाह हबीब (करीमुल्लाह ने पुष्टि की है कि 1993 में मुंबई बम धमाकों के आरोपी 14 अपराधी पाकिस्तान के कराची में मौजूद हैं)
रजीउद्दीन नासिर @ अब्दुल रहमान लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के मुहम्मद फहद @ नेदुथानी @ मुहम्मद कोया @ अल बदर मुहम्मद आई हुसैन @ जहांगीर @ कासिम अल बदर मुहम्मद इमरान बट @ उमर सानल लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) सिकंदर आजम सानी बट @ अबू हुर्रेरा लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी)
Muhammad Hashim Khan @ Darvesh of Harkat-ul-Mujahideen (HuM)
7 जुलाई, 2008 को काबुल में भारतीय दूतावास पर हुए हमले से संबंधित प्रमुख खबरें।
9 जनवरी
मंत्रालय
गृह सचिवों की वार्ता, 25-26 नवंबर 2008
पाकिस्तान में रहने वाले 10 पाकिस्तानी नागरिकों को सौंप दिया गया है। सूची में दाऊद इब्राहिम, मसूद आदि के नाम शामिल हैं।

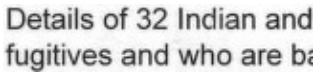

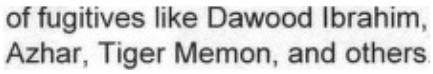

विदेश मंत्रालय

बैठकों के दौरान साझा किए गए साक्ष्यों पर पाकिस्तान द्वारा दी गई प्रतिक्रियाओं के नमूने
• अब तक की जांच में ऐसा कुछ भी सामने नहीं आया है जिसका संबंध अक्टूबर 2008 में पाकिस्तान में दूतावास पर हुए हमले (जे एटीएम के विशेष सत्र) से हो।
जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैबा और जुडाहू के बयानों और गतिविधियों के बारे में दिए गए सबूतों के आधार पर, पाकिस्तानी प्रतिक्रिया यह थी कि ये सभी समूह पाकिस्तान में प्रतिबंधित हैं या निगरानी में हैं।
• लेट और जेएम पर पहले ही प्रतिबंध लग चुका है।
जनवरी 09 विदेश मंत्रालय 81

9 जनवरी
41

IV. पाकिस्तान की प्रतिबद्धताएं और दायित्व

द्विपक्षीय, अंतर्राष्ट्रीय और बहुपक्षीय प्रतिबद्धताओं के तहत पाकिस्तान अपने क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए बाध्य है। इन्हें निम्नलिखित स्लाइड्स में सूचीबद्ध किया गया है:
9 जनवरी, विदेश मंत्रालय, ज्ञापन संख्या 83
द्विपक्षीय प्रतिबद्धताएं
• राष्ट्रपति मुशर्रफ ने प्रधानमंत्री वाजपेयी को आश्वासन दिया कि वे पाकिस्तान के नियंत्रण वाले किसी भी क्षेत्र को किसी भी तरह से आतंकवाद को समर्थन देने के लिए इस्तेमाल नहीं होने देंगे। [संयुक्त वक्तव्य, 6 जनवरी 2004]
• राष्ट्रपति जरदारी ने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को आश्वस्त किया कि पाकिस्तान सरकार 6 जनवरी, 2004 की अपनी प्रतिबद्धताओं पर कायम है और पाकिस्तान के नियंत्रण वाले किसी भी क्षेत्र को किसी भी तरह से आतंकवाद को समर्थन देने के लिए इस्तेमाल नहीं होने देगी [संयुक्त वक्तव्य 24 सितंबर 2008]।
जनवरी » मंत्रालय <* ई एक्सटेमल एलन 84
42

अंतर्राष्ट्रीय दायित्व
* आतंकवादी बम विस्फोटों के दमन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 1997।
अनुच्छेद 2 के तहत सार्वजनिक उपयोग के स्थान, राज्य या सरकारी सुविधा में या उसके विरुद्ध विस्फोटक पदार्थ का विस्फोट करना अपराध है। इसमें सहभागी के रूप में शामिल कोई भी व्यक्ति भी अपराधी माना जाएगा।
अनुच्छेद 7 के तहत, जिस राज्य को ऐसे अपराधी के बारे में जानकारी प्राप्त होती है, उसे अभियोजन या प्रत्यर्पण के लिए उसकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के उपाय करने होंगे।
- आतंकवादी हमले में भाग लेने वाले या उसमें योगदान देने वाले सभी व्यक्ति इस सम्मेलन के अंतर्गत आते हैं।
पाकिस्तान, एक पक्षकार राज्य के रूप में, ऐसे अपराधियों का प्रत्यर्पण या उन पर मुकदमा चलाने और जांच या अभियोजन में पारस्परिक कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए बाध्य है।
जनवरी 09 विदेश मंत्रालय 85
अंतर्राष्ट्रीय दायित्व
• बंधकों को लेने के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 1979।
- यह इसलिए लागू होता है क्योंकि आतंकवादियों ने बंधकों को बनाया था और बाद में उनकी हत्या कर दी थी।
इस सम्मेलन के एक पक्षकार राज्य के रूप में पाकिस्तान जांच में सहयोग करने के लिए बाध्य है।

बहुपक्षीय दायित्व

• आतंकवाद के दमन पर सार्क सम्मेलन, 1987

इसके अंतर्गत आता है

Mumbai attack
terrorist act.

- यह सम्मेलन सदस्य देशों को पारस्परिक कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए बाध्य करता है और इसमें प्रत्यर्पण के प्रावधान भी हैं।

जनवरी 09 विदेश मंत्रालय I

बहुपक्षीय दायित्व

आतंकवाद के दमन पर सार्क सम्मेलन, 2004 का अतिरिक्त प्रोटोकॉल [12 जनवरी 2006 को लागू हुआ]

- इसमें आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने से संबंधित प्रावधान हैं (संयुक्त राष्ट्र आतंकवादी वित्तपोषण कन्वेंशन के समान)।

- पाकिस्तान को आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए गए धन को फ्रीज करने के लिए उपाय करने होंगे।

3 जनवरी, विदेश मंत्रालय, 88

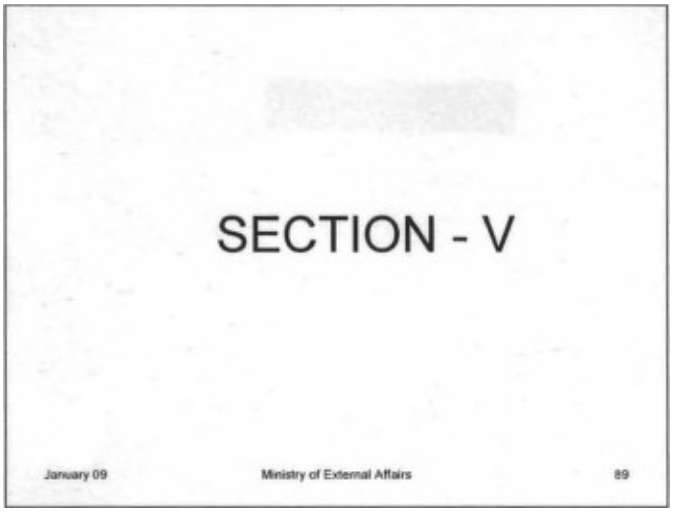

V. पाकिस्तान को क्या करना चाहिए

यह साजिश पाकिस्तान से रची गई थी। जानकारी की कमी को वहाँ साजिशकर्ताओं से पूछताछ और जाँच करके दूर किया जा सकता है। आतंकवादियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए पाकिस्तान से भारत जिन कार्यों की अपेक्षा करता है, उनमें से कुछ अगले स्लाइड में सूचीबद्ध हैं।

9 जनवरी
विदेश मामलों के मंत्री
45

पाकिस्तान को क्या करना चाहिए (2)
सौंपे गए षड्यंत्रकारियों को न्याय का सामना करना पड़ेगा
भारत।
पाकिस्तान में रह रहे भारतीय कानून से भागे हुए अपराधियों को सौंप दें।
आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को नष्ट करें
पाकिस्तान से होने वाले आतंकवादी कृत्यों को रोकें।
द्विपक्षीय, बहुपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों का पालन करें और उन्हें लागू करें।